आषाढ़ शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 351 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 20-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारत की कप्तानी से नजरअंदाज किए जाने के बाद हार्दिक का मुंबई इंडियंस के नेतृत्व करने पर संदेह

6 याद रखना, भूल ना जाना वतन पर मरने वालों को

7 'डिजाइनरों से कपड़े उधार लेना ज्यादा बेहतर लगता है' : सोनम कपूर

फर्स्ट टेक

रूसी सेना से छूटेंगे 50 भारतीय

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सेना में भर्ती करीब 50 भारतीयों ने वापस लौटने के लिए भारतीय दूतावास से अनुरोध किया है जिस पर भारत एवं रूस सकारात्मक कोशिश कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि हम लगभग 50 भारतीय नागरिकों के बारे में जानते हैं जो वर्तमान में रूसी सशस्त्र बलों में अपना रोजगार समाप्त करना चाहते हैं। ये ऐसे मामले हैं जहां व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्यों ने अपनी शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने में सहायता के लिए हमसे संपर्क किया है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत द्वारा शीर्ष नेतृत्व स्तर सहित विभिन्न स्तरों पर इस मुद्दे को उठाया गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 666.85 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 9.70 अरब डॉलर उछलकर अबतक के उच्चतम स्तर 666.85 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 5.16 अरब डॉलर बढ़कर 657.15 अरब डॉलर हो गया था। यह इससे पहले के उच्चतम स्तर 655.82 अरब डॉलर को पार कर गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 12 जुलाई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 8.36 अरब डॉलर बढ़कर 585.47 अरब डॉलर हो गईं।

पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी बढ़कर 38 लाख हुई

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी वर्ष 2017 के 35 लाख से बढ़कर 2023 में 38 लाख हो गई जो इन्हें इस इस्लामी राष्ट्र का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह बनाती है। पिछले साल की जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। 'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने बृहस्पतिवार को 7वीं आबादी और आवास जनगणना 2023 के नतीजे जारी किए। 2023 में पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 2,40,458,089 थी। इससे पता चलता है कि कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 2017 में 96.47 प्रतिशत से थोड़ी कम होकर 2023 में 96.35 प्रतिशत रह गई जबकि सभी प्रमुख धार्मिक अल्पसंख्यकों की आबादी पिछले छह वर्षों में बढ़ी है। हिंदुओं की आबादी 2017 के 35 लाख से बढ़कर 2023 में 38 लाख हो गई, लेकिन कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी 1.73 से घटकर 1.61 प्रतिशत हो गई है।

20-07-2024 सूर्यास्त 6:38 बजे | 21-07-2024 सूर्योदय 5:51 बजे

BSE	NSE
80,604.65	24,530.90
(-738.81)	(-269.95)

सोना	चांदी
7,606 रु.	99,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मजबूर कानून

धारा की कारा में उलझा
होता कानून सदा बेबस।
भावुकता आँसू या धरने,
उसको कर सकते नहीं विवश।
उसको सुनना ही होता है,
विधि सम्मत सारे तर्क बहस।
जज मनमर्जी कर बैठे तो,
सिस्टम हो सकता तहस-नहस।।

माइक्रोसॉफ्ट के प्रौद्योगिकी व्यवधान से दुनिया भर में एयरलाइन, वित्तीय सेवाएं हुई प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- माइक्रोसॉफ्ट से संबंधित तीसरे पक्ष के सॉफ्टवेयर मंच के 'अपडेट' की वजह से दुनिया भर में विंडोज संचालित उपकरण हुए प्रभावित
- माइक्रोसॉफ्ट संकट से भारतीय बैंक और भुगतान प्रणाली अप्रभावित रहे। हालांकि इस संकट से दुनिया भर में वित्तीय सेवा कंपनियां प्रभावित हुईं।

नई दिल्ली/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट से संबंधित तीसरे पक्ष के सॉफ्टवेयर मंच के 'अपडेट' की वजह से विंडोज संचालित उपकरणों के प्रभावित होने से शुक्रवार को भारत सहित दुनियाभर में प्रौद्योगिकी संबंधी व्यवधान का सामना करना पड़ा।

इस व्यवधान से विमानन, मीडिया एवं वित्तीय सेवाएं प्रभावित हुईं तथा कई अन्य कंपनियों का कामकाज भी प्रभावित हुआ। साथ ही कुछ कंपनियों के सॉफ्टवेयर पर निर्भरता की सीमाएं भी उजागर हुईं। साइबर सुरक्षा कंपनी 'क्राउडस्ट्राइक' के अनुसार माना जा रहा है कि इस समस्या की वजह कोई सुरक्षा गड़बड़ी या साइबर हमला नहीं है।

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह तीसरे पक्ष के सॉफ्टवेयर मंच के 'अपडेट' की वजह से विंडोज संचालित उपकरणों के प्रभावित होने की समस्या से अवगत है। कई घंटे तक संकट बने रहने के बाद प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा है कि वह धीरे-धीरे माइक्रोसॉफ्ट 365 ऐप और सेवाओं तक पहुंच को प्रभावित करने वाली समस्या को ठीक कर रही है।

इस संकट से भारत में एयरलाइन परिचालन बाधित हुआ, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए। कई एयरलाइन कंपनियों ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बयान जारी कर कहा कि वे मैनुअल ढंग से चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया का पालन कर रही हैं। उन्होंने तकनीकी समस्याओं के कारण देरी होने की जानकारी दी। इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा को अपने नेटवर्क पर ऑनलाइन चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रियाओं में व्यवधान का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें 'ऑफलाइन' माध्यम से काम करना पड़ा।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि उनका मंत्रालय माइक्रोसॉफ्ट के संपर्क में है और एनआईसी नेटवर्क व्यवधान से प्रभावित नहीं है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर वैष्णव ने कहा कि इस व्यवधान का कारण पहचान लिया गया है और इस मुद्दे को हल करने के लिए 'अपडेट' जारी किए गए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत गठित कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल सर्ट-इन ने 'क्राउडस्ट्राइक अपडेट' की वजह से माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में आई रुकावट पर एक सलाह जारी करते हुए इसे 'गंभीर' समस्या बताया है। सर्ट-इन ने अपनी सलाह में कहा, यह बताया गया है कि क्राउडस्ट्राइक एजेंट 'फाल्कन सेंसर' से संबंधित विंडोज होस्ट को व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है और हाल ही में आए अपडेट के कारण विंडोज क्रैश हो जा रहा है। संबंधित विंडोज सिस्टम को फाल्कन सेंसर से संबंधित 'ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ (बीएसओडी)' का सामना करना पड़ रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट संकट से भारतीय बैंक और भुगतान प्रणाली अप्रभावित रहे। हालांकि इस संकट से दुनिया भर में वित्तीय सेवा कंपनियां प्रभावित हुईं।

दो प्रमुख भारतीय शेयर बाजारों एनएसई और बीएसई ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में रुकावट से उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि देश के 10 बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के कामकाज में मामूली व्यवधान पैदा हुआ, जिसे या तो हल कर लिया गया या समाधान किया जा रहा है।

मुलाकात

रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉकहीड मार्टिन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जिम टेसलेट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात बृहस्पतिवार को हुई।

ओसामा का करीबी अलकायदा नेता गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/एजेन्सी। पाकिस्तान आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने पूर्वी पंजाब प्रांत के जेहलम जिले में छापा मार कर ओसामा बिन लादेन के करीबी अलकायदा नेता अमीन मुहम्मद उल हक सैम खान को गिरफ्तार किया है। सीटीडी ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, सीटीडी पंजाब ने एक बड़े अभियान में ओसामा बिन लादेन के करीबी सहयोगी अमीन उल हक को गिरफ्तार किया है, जिसका नाम संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादियों की वैश्विक सूची में शामिल है।

बयान में आतंकवाद के खिलाफ चल रहे युद्ध में इसे एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बताते हुए कहा गया कि खान कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था और देश में बड़े पैमाने पर आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहा था।

शाह ने की खुफिया ब्यूरो के कामकाज की समीक्षा

आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए बेहतर तालमेल पर दिया जोर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में उभरते सुरक्षा खतरे के परिदृश्य से निपटने के लिए आतंकी नेटवर्क और उसके सहायक परिवेश को खत्म करने के लिए सुरक्षा और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच अधिक तालमेल पर शुक्रवार को जोर दिया। शाह ने एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुरक्षा एजेंसियों और अन्य खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रमुखों को राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति ''संपूर्ण सरकार'' का दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया।

गृह मंत्री ने खुफिया ब्यूरो के 'मल्टी एजेंसी सेंटर' (एमएसी) के कामकाज की भी समीक्षा की, जिसके पास देश की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की जिम्मेदारी है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि शाह ने देश में उभरते सुरक्षा खतरे के परिदृश्य से निपटने के लिए आतंकी नेटवर्क और उसके सहायक परिवेश को खत्म करने के लिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एमएसी को विभिन्न हितधारकों के बीच कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी को सक्रिय और वास्तविक समय पर साझा करने को लेकर एक मंच के रूप में 24 घंटे सातों दिन काम करना जारी रखना चाहिए।

देश की समग्र आंतरिक सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की समीक्षा करते हुए, गृह मंत्री ने बैठक के सभी हितधारकों से एमएसी के साथ जुड़ाव बढ़ाने और इसे एक सुसंगत मंच बनाने पर जोर दिया, जो निर्णायक और त्वरित कार्रवाई के लिए सभी कानून प्रवर्तन, मादक पदार्थ निरोधक, साइबर सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को एक साथ लाए।

रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में नहीं मिली कोई सुरंग

पुरी/भाषा। श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में एक गोपनीय सुरंग होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बीच, पुरी के राजा एवं गजपति महाराजा दिव्य सिंह देव ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) जांच के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। देव ने रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में सुरंग या गुप्त कक्षों की संभावना के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। कई स्थानीय लोगों का मानना है कि रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में एक गुप्त सुरंग है। देव ने कहा, ''भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण कक्ष की स्थिति का आकलन करने के लिए 'लेजर स्कैन' जैसे उन्नत उपकरणों का उपयोग कर सकता है। ऐसी तकनीक का उपयोग कर सर्वेक्षण करने से सुरंगों जैसी किसी भी संरचना के बारे में जानकारी मिल सकती है।''

सेना व नौसेना प्रमुख सहित 31 अधिकारियों को राष्ट्रपति ने परम विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी सहित 31 वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को शुक्रवार को परम विशिष्ट सेवा पदकों से सम्मानित किया। श्रीमती मुर्मु ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के दूसरे चरण के दौरान सैन्य कर्मियों को विशिष्ट और लेखनिया सेवा के लिए ये पदक के प्रदान किए। उन्होंने सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक बल के 94 कर्मियों को विशिष्ट सेवा अलंकरण भी प्रदान किए। इन अलंकरणों में 31 परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), चार उत्तम युद्ध सेवा पदक (यूवाईएसएम), दो बार सहित अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), और 57 एवीएसएम पदक शामिल हैं।

हाल ही में सेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख नियुक्त किए गए जनरल दिवेदी और एडमिरल त्रिपाठी को भी परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

जलवायु परिवर्तन से निपटा नहीं गया तो कोई भी चीज मानवता को नहीं बचा पाएगी : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन एक ऐसा बम है जो हर पल टिक-टिक करता रहता है और यदि इस समस्या का समाधान खोजने के लिए सामूहिक प्रयास नहीं किए गए तो कोई भी चीज मानवता को नहीं बचा पाएगी।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि जलवायु संकट से लड़ना सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन एक ऐसा बम है जो हर पल टिक-टिक करता रहता है। हमारे पास कोई विकल्प नहीं रह गया है। यह अब ऐसी समस्या है, जो सामने खड़ी है।'' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जलवायु परिवर्तन से निपटा नहीं गया तो यह भेदभाव रहित होगा और बिना किसी अपवाद के सभी को प्रभावित करेगा।

धनखड़ ने कहा, ''...इस समस्या से निपटने के लिए एक ही मानसिकता में होना होगा। क्योंकि अगर इसे नहीं सुलझाया गया तो यह किसी को नहीं बख्शेगा। इसमें कोई अपवाद नहीं होगा। आपके पास कोई सुरक्षित जगह नहीं होगी। आपके पास खुद को बचाने के लिए बंकर नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि भारत जलवायु संकट को रोकने के लिए गंभीरता से काम करने वाले अग्रणी देशों में से एक है।

'आत्मनिर्भरता' राष्ट्र की रक्षा की कीमत पर नहीं हो सकती : वायुसेना उप प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल ए.पी.सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 'आत्मनिर्भरता' केवल एक शब्द नहीं है, यह कुछ ऐसा है जिसमें सभी हितधारकों को अपना दिल और आत्मा लगाने की जरूरत है, यहां तक कि उन्होंने रेखांकित किया कि यह आत्मनिर्भरता राष्ट्र की रक्षा की कीमत पर नहीं हो सकती है। यहां सीएपीएस संगोष्ठी में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण है।

वायुसेना उप प्रमुख ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा करना हर किसी का काम है, न कि केवल वर्दीधारी व्यक्तियों का।

रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि डीआरडीओ, निजी उद्योग और अन्य संस्थाएं रडार, संचार और अन्य अनेक क्षेत्रों में सशस्त्र बलों की क्षमताओं को बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भरता केवल एक शब्द नहीं है', यह कुछ ऐसा है जिसमें सभी हितधारकों को अपना दिल और आत्मा लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकियों और हथियारों का विकास और निर्माण भारत में हो, ''ताकि हमें किसी बाहरी एजेंसी पर निर्भर न रहना पड़े जो समय आने पर अपना साथी बदल सकती है या हमारे देश में हथियारों का प्रवाह रोक सकती है''। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की भूराजनीतिक स्थिति में ''सबसे बड़ा सबक जो हमने सीखा है वह है आत्मनिर्भरता।''

वायुसेना उप प्रमुख ने कहा कि कोई भी स्थायी दुश्मन या दोस्त नहीं है बल्कि स्थायी केवल हित है।

अपने संबोधन में उन्होंने अधिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की वकालत की, लेकिन एक शर्त के साथ।

यूक्रेन के मुद्दे पर

अमेरिका ने भारत से समर्थन मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा है कि अमेरिका चाहता है कि भारत यूक्रेन में स्थायी और न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने के उसके प्रयासों का समर्थन करे। विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हाल में हुई बैठकों के बारे में बृहस्पतिवार को पूछे गए एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, भारत अनेक प्रमुख क्षेत्रों में हमारा साझेदार है, और यह बात पिछले ग्रीष्मकाल में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुई थी, जब प्रधानमंत्री मोदी राजकीय यात्रा पर अमेरिका आए थे।

पटेल ने कहा, इसके अलावा, यूक्रेन-रूस के बीच जारी जंग और यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता व संप्रभुता पर उसके प्रभाव के संदर्भ में, हम भारत समेत अपने सभी साझेदारों से यूक्रेन में स्थायी व न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने के प्रयासों का समर्थन करने का अनुरोध करते हैं।

शैफाली और स्मृति के तूफान से पाकिस्तान थर्राया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दांबुला/एजेन्सी। शैफाली वर्मा (40) और स्मृति मांधना (45) के बीच 85 रन की फटाफट पारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को एशिया कप के शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से आसानी से धो दिया।

टॉस जीत कर पहले खेलते हुये पाकिस्तान की पूरी टीम 19.2 ओवर में 108 पर आउट हो गयी। जवाब में भारत ने विजय लक्ष्य को 35 गेंद शेष रहते हुये तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। दीप्ति शर्मा (20 रन पर तीन विकेट), रेणुका सिंह (14 रन पर दो विकेट),श्रेयांका पाटिल (14 रन पर दो विकेट) और पूजा वस्त्राकर (31 रन पर दो विकेट) ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुये पाकिस्तानी बल्लेबाजों को बांध कर रखा और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाये,नतीजन पाकिस्तान की टीम को अपने स्कोर को तीन अंको तक ले जाने में भी पसीना बहाना पड़ा।

दूसरी ओर विस्फोटक शैफाली वर्मा ने क्रीज पर पांव जमाते ही पाकिस्तानी गेंदबाजों की बखिया उधेड़नी शुरु कर दी। दूसरे छोर पर उन्हे स्मृति का भरपूर साथ मिला। दोनो बल्लेबाजों ने करीब नौ रन के औसत से रन बटोरे। उनका अंदाज देख कर लग रहा था कि भारत विजय लक्ष्य को 11वें ओवर में ही हासिल कर लेगा लेकिन इस बीच सैयादा अरूब शाह ((9 रन पर दो विकेट) ने लगातार दो ओवरों में एक के बाद एक कर सलामी बल्लेबाजों को चलता किया लेकिन भारत की जीत उस समय तक पक्की हो चुकी थी।

संत चातुर्मास काल में लोगों को धर्म जागरण व मानवता का संदेश देते हैं : आचार्य विमलसागरसूरी

पौषध, धर्मसभा, देववंदन, प्रतिक्रमण से शुरु होगा चातुर्मास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद में शिक्षकर सदन स्थित बुद्धि-वीर वाटिका के विशाल पंडाल में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन परंपरा का चातुर्मास पर्व आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी से प्रारंभ हो रहा है। वर्षाकाल में बहुत बड़ी मात्रा में अनेक प्रकार के जीव-जंतु पैदा होते हैं, इसलिए वर्षाकाल में जीवहिंसा की सर्वाधिक संभावना रहती है। फिर वर्षाकाल पाचन तंत्र को कमज़ोर बना देता है, इसलिए इस काल में रोगोंत्पत्ति भी बड़ी मात्रा में होती है। इन सब भौगोलिक और प्राकृतिक परिस्थितियों को देखते हुए ज्ञानी महापुरुषों ने वर्षाकाल में यात्रा, विवाह आदि कार्यों को टालने, हिंसा से बचने, सीमित सात्विक आहार करने, व्रत-उपवास, पूजा-अर्चना, ध्यान, मंत्रजाप आदि के द्वारा साधनामय जीवन जीने, भोग वासनाओं से दूर रहने तथा अधिक से अधिक अहिंसा का परिपालन करने का निर्देश दिया है। यही कारण है कि साधु-संत भी एक स्थान पर वर्षावास (चातुर्मास) करते हैं और लोगों को धर्म जागरण व मानवता का संदेश देते हैं।

जैनाचार्य ने बताया कि शनिवार को अनेक श्रावकगण उपवास पूर्वक एक दिवसीय पौषध व्रत अंगीकार करेंगे। वे घर-परिवार, व्यापार, धन, सांसारिक व्यवहार-वार्तालाप, भोग-विलास, वाहन, मोबाइल, मनोरंजन, वनस्पति तथा सजने-संवारने आदि का सम्पूर्ण परित्याग कर मोह-ममत्व रहित बनकर, साधु तुल्य साधना करेंगे। प्रातः 9 बजे विशेष धर्मसभा आयोजित होगी। शनिवार से यहां 28 दिवसीय शत्रुंजय तपाराधना प्रारंभ हो रही है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि सैकड़ों साधक विभिन्न खाद्य सामग्री का संपूर्ण परित्याग कर एक समय भोजन करते हुए आयंबिल तप करेंगे। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि दोपहर 2 बजे चौमासी देवनंदन होगा। अशोक दांतेवाडिया ने बताया कि शनिवार को शाम पौने सात बजे चातुर्मासिक प्रतिक्रमण होगा।

बसों में चोरी करने वाली कुप्पम महिला गैंग की दो सदस्याओं को पुलिस ने पकड़ा

भीड़ का फायदा उठाकर देती थीं चोरी को अंजाम, 80 लाख के आभूषण बरामद

एचएन श्रीनिवास प्रसाद
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नगर पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने एक पत्रकार वार्ता में शहर के हुई आसामाजिक तत्वों की विभिन्न गिरफ्तारियों की जानकारी देते हुए कहा कि केआर पुलिस ने कुप्पम गैंग के नाम से प्रसिद्ध चोर गैंग की दो सदस्याओं को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि कुछ माह से शहर में कुप्पम गैंग नाम से महिलाओं की चोर गैंग सक्रिय थी।

इस गैंग की महिलाएं कुप्पम से आकर बेंगलूरु के भीड़भाड़ के क्षेत्रों में विशेषकर बीएमटीसी बसों में महिलाओं को अपना शिकार बनाती थीं। आयुक्त ने बताया कि इस गैंग की सदस्याएं भीड़ का फायदा उठाकर बसों में महिलाओं से चिपक कर खड़ी होती थी और उनके पर्स व वैनिटि बैग में हाथ डालकर कीमती सामान विशेषकर नगदी व ज्वेलरी चुरा लेती थी। महिला होने के कारण इन पर शक भी कम ही जाता था। परन्तु बार बार घटना की पुर्नावृत्ति होने के कारण बसों में व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में निगरानी रखी जाने लगी।

कुछ दिनों पहले केआरपुरम क्षेत्र में एक ज्वेलरी दुकान के सामने पर्स से 150 ग्राम आभूषण की चोरी की घटना घटी, शिकायत मिलने पर पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से जानकारी प्राप्त की तो पता चला की बस का इन्तजार करने वाले दो महिलाओं ने इस चोरी को अंजाम दिया। कड़ी से कड़ी मिलाते हुए पुलिस ने गांधीनगर स्थित लॉज से एक महिला चोर को गिरफ्तार किया।

उस गिरफ्तार महिला से प्राप्त जानकारी के आधार पर कुप्पम से एक और अन्य महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कुप्पम गैंग की लावण्या व मीना को गिरफ्तार कर उनके पास से 80 लाख रुपए मूल्य के स्वर्णआभूषण बरामद किए। गिरफ्तार चोरों ने बताया कि वे ट्रेन से कुप्पम से बेंगलूरु आकर बेंगलूरु के आसपास तुमकूर, दावणगेरे, बेंगलूरु आदि शहरों में इन चोरियों को अंजाम देती थी और फिर वापस कुप्पम चली जाती थी। उन्होंने बताया कि इन चोरियों से प्राप्त स्वर्ण आभूषण को वे तिरुपात्तूर के करुर वैश्य बैंक में गिरवी रख देती थी। पुलिस ने बैंक से 855 ग्राम स्वर्ण आभूषण व दोनों के पास से 44 ग्राम स्वर्णआभूषण बरामद किए। पुलिस अब गैंग की अन्य सदस्याओं की तलाश में है।

हवाई जहाज से आकर बेंगलूरु में करते थे चोरी, गिरफ्तार

पुलिस आयुक्त दयानंद ने अन्य घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आजकर चोरी करने के तरीके बदल गए है। अब चोर भी हाईटेक हो गए है । उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल से आकर चार लोग बेंगलूरु में चोरी को अंजाम देते थे। पुलिस ने बंगाल से आकर बेंगलूरु में चोरी करने वाले 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये गैंग के कुछ सदस्य बेंगलूरु में पहले गार्ड व सुरक्षाकर्मी के रुप में कार्य कर चुके है और तभी इन लोगों ने क्षेत्रों में बंद पड़े घरों की रैकी कर टोह लगा ली थी। बेंगलूरु से दो लोगों को तथा पश्चिम बंगाल से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिसमें सुबिलकर, हरिदास, सोहन और पिंकू नामक लोग शामिल है। ये लोग हवाईजहाज से बेंगलूरु आने पर एयरपोर्ट के पास की होटल में तथा ट्रेन से बेंगलूरु आने पर बैयप्पनहल्ली के आसपास की होटलों में एक दो सप्ताह के लिए रुकते थे और समय मिलते ही लम्बे समय से बंद पड़े चिह्नित घरों में चोरी कर कीमती सामान लेकर भाग जाते थे। गिरफ्तार चोरों ने बताया कि उन्होंने इन्दिरानगर, सोलदेवनहल्ली, बानसवाड़ी, कुडगेहल्ली, बागलगुंटे आदि क्षेत्रों में चोरी को अंजाम दिया तथा चोरी से प्राप्त कीमती आभूषणों को वे शहर के गिरवी व्यापारियों के यहां गिरवी रख देते थे। चोरी का सामान गिरवी रखने के संदर्भ में पुलिस को दो गिरवी व्यापारियों को भी गिरफ्तार किया है। इनके पास से 452 ग्राम वजन के स्वर्णाभूषण बरामद हुए है।

ब्रांडेड मंहगे जूते चोर आए पुलिस गिरफ्त में

नगर पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि विद्यारण्यपुरा पुलिस ने गैस सिलेंडर व ब्रांडेड मंहगे जूते चोरी करने वाले दो लोगों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार गंगाधर व यलेप्पा के पास से पुलिस को 715 ब्रांडेड मंहगे जूते तथा 11 लाख रुपए मूल्य के गैस सिलेंडर बरामद किए है। बताया जा रहा है कि यह गैंग घूम घूम कर घरों की रैकी करती थी और घर के बरामदे व सामने रखे गैस सिलेंडर व जूतों को उठाकर रफ्फूचक्कर हो जाते थे। बीईएल लेआउट में एक निवासी के घर के सामने रखे गैस सिलेंडर की चोरी होने की शिकायत पर पुलिस से निगरानी कर इन दो चोरों को पकड़ा है। अभी इनकी गैंग के अन्य लोगों की तलाश जारी है।

दहेज के मुद्दे को सामाजिक परिवर्तन के उद्देश्य से सशक्त ढंग से उठाएगा 'उधेड़बुन'

'अर्बन चौपाल' के नाटक 'उधेड़बुन' का मंचन 21 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विभिन्न शहरों में शानदार प्रदर्शन के बाद 'अर्बन चौपाल' 21 जुलाई को अपने नाटक 'उधेड़बुन' के साथ बीआईसी बेंगलूरु में आ रहा है। थिएटर ग्रुप की संस्थापक सदस्य वंदना दुगर ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि 'उधेड़बुन' एक ऐसा नाटक है, जिसमें दहेज के मुद्दे को सामाजिक परिवर्तन के उद्देश्य से सशक्त ढंग से उठाया गया है। ऐसे गंभीर सामाजिक मुद्दों की ओर ध्यान दिलाने के लिए रंगमंच में हास्य का प्रयोग बहुत प्रभावी हो सकता है।

उन्होंने कहा कि हम मनोरंजन को सामाजिक संदेश के साथ जोड़कर इसे दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं, जिससे सार्थक चर्चाओं को बढ़ावा मिले। वंदना ने नाटक के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसके निर्देशक और लेखक अमित सुथार हैं। इसका मंचन 21 जुलाई को बीआईसी, डोमलुर में होगा। शो का समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक है।

वायुसेना स्टेशन, जालहल्ली में नौकरी मेले का आयोजन किया गया

बेंगलूरु। रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के रीसेटेलमेंट महानिदेशालय ने शुक्रवार को वायुसेना स्टेशन, जालहल्ली (पश्चिम) में पूर्व सैनिकों के लिए नौकरी मेले का आयोजन किया, ताकि फिर से रोजगार चाहने वाले पूर्व सैनिकों और रोजगार प्रदाताओं को एक साझा मंच पर लाया जा सके।

इस कार्यक्रम को कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के पूर्व सैनिकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिली। थलसेना, नौसेना और वायुसेना के 1,662 पूर्व सैनिकों ने रोजगार पाने के लिए पंजीकरण कराया। मेले में 48 कंपनियों ने भाग लिया तथा 1,125 नौकरियों और उद्यमिता के अवसर दिए। चयनित ईएसएम का साक्षात्कार/स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके बाद उन्हें वरिष्ठ पर्यवेक्षकों, मध्य/वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों से लेकर रणनीतिक योजनाकारों और परियोजना निदेशकों तक के पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

यह आयोजन कॉर्पोरेट्स और पूर्व सैनिकों, दोनों के लिए लाभदायक था। पूर्व सैनिकों को अपनी सेवा के वर्षों के दौरान अर्जित तकनीकी और प्रशासनिक क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच मिला और कॉर्पोरेट्स को अनुभवी, अनुशासित और प्रशिक्षित पूर्व सैनिकों के समूह की स्क्रीनिंग का लाभ मिला। इस दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा उद्यमिता मॉडल भी प्रस्तुत किए गए।

नौकरी मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि सचिव (ईएसडब्ल्यू) डॉ. नितेन चंद्रा ने किया। सीआईआई कर्नाटक राज्य परिषद के उपाध्यक्ष और एएसएम टेक्नोलॉजीज लि. के प्रबंध निदेशक रवींद्र श्रीकांतन मुख्य अतिथि थे। साथ ही, वायुसेना मुख्यालय प्रशिक्षण कमान एसओए राम किशोर और रीसेटेलमेंट महानिदेशालय के महानिदेशक (सेवानिवृत्त) मेजर जनरल एसबीके सिंह मौजूद थे। इस कार्यक्रम में एडीजी, डीआरजेड (दक्षिण) ब्रिगेडियर रोहित मेहता और वायुसेना स्टेशन, जालहल्ली के एओसी एयर कमोडोर संतोष केपी हेगड़े भी मौजूद थे।

मंगलूरु निगमायुक्त आनंद समेत 13 अधिकारियों के परिसरों पर लोकायुक्त छापेमारी

बेंगलूरु। कर्नाटक में शुक्रवार को लोकायुक्त अधिकारियों ने आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के मामले में मंगलुरु शहर के निगमायुक्त सी एल आनंद समेत 13 सरकारी अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की। एक लोकायुक्त अधिकारी ने यह जानकारी दी। आनंद कर्नाटक प्रशासनिक सेवा (केएएस) के वरिष्ठ अधिकारी हैं जिन्हें 2023 में मंगलूरु नगर निगम के आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। सरकार ने चार जुलाई को उनका तबादला किया था जिसके बाद उन्होंने इसके खिलाफ राज्य सरकार से अपील की थी। इसके बाद, नौ जुलाई को उनके तबादले का आदेश रद्द कर दिया गया था। आनंद के अलावा, बेंगलूरु ग्रामीण जिले में हेब्बागोडी नगर परिषद आयुक्त और केएएस अधिकारी के. नरसिम्हा मूर्ति के परिसरों पर लोकायुक्त अधिकारियों ने छापे मारे। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त निदेशक सी. टी. मुद्दु कुमार के परिसर पर भी तलाशी ली गई। शुक्रवार को जिन अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की गई उनमें यादगीर जिला पंचायत के परियोजना निदेशक बलवंत राठौड़, बेंगलूरु ग्रामीण जिले के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी आर सिद्दप्पा, वाणिज्यिक कर संयुक्त आयुक्त रमेश कुमार, विधिक माप विज्ञान के उप नियंत्रक अथर अली, शिवमोगा जिले के भद्रावती तालुक में अंतरगंगे ग्राम पंचायत के अध्यक्ष नागेश बी गौड़ा, बागवानी विभाग के उप निदेशक प्रकाश और मंड्या के श्रम अधिकारी चेतन कुमार शामिल हैं। अधिकारी के अनुसार, छापेमारी बेंगलूरु तुमकूर, शिवमोगा, यादगिरी और कलबुर्गी में की गई। अधिकारी ने कहा, 'शुक्रवार सुबह 100 से अधिकारियों के साथ 54 स्थानों पर छापेमारी शुरू की गई।'

गुजरात में जल्द शुरू होगा चिप विनिर्माण: मुख्यमंत्री पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए अलग से नीति लायी है और राज्य में जल्द ही चिप निर्माण शुरू होगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को यहां महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में एक दिवसीय 'गुजरात सेमीकनेक्ट कॉन्फ्रेंस 2024' का उद्घाटन करने के मौके पर यह बात कही। उन्होंने भरोसा दिया कि उनकी सरकार उद्योग को सभी जरूरी मदद देगी। माइक्रोन टेक्नोलॉजी, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और सीजी पावर ने इस सम्मेलन के लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग किया है। ये सभी कंपनियों गुजरात में अपने सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित कर रही हैं। सेमीकंडक्टर को एकीकृत सर्किट या माइक्रोचिप्स भी कहा जाता है और यह इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का एक जरूरी घटक है। इनका इस्तेमाल संचार, सैन्य प्रणालियों, स्वास्थ्य सेवा, कंप्यूटिंग, परिवहन, स्वच्छ ऊर्जा और कई अन्य क्षेत्रों में किया जाता है। मुख्यमंत्री ने संबोधन में इस क्षेत्र में निवेश करने के इच्छुक लोगों को भरोसा दिया कि उनकी सरकार राज्य में चिप निर्माण सुविधाओं के लिए सभी जरूरी मदद देगी। उन्होंने कहा, ''गुजरात सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए अलग से नीति लागू करने वाला पहला भारतीय राज्य है। इसके 2020 में लागू होने के कुछ महीनों के भीतर माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने गुजरात में एक चिप निर्माण संयंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया। हमने उन्हें सिर्फ एक सप्ताह में साणंद में जमीन आवंटित कर दी।'' पटेल ने कहा कि गुजरात सेमीकंडक्टर कंपनियों के लिए धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर) में सुविधाएं दे रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे भरोसा है कि गुजरात में जल्द ही चिप निर्माण शुरू हो जाएगा। हम इस क्षेत्र के लिए कार्यबल तैयार करने पर भी काम कर रहे हैं।''

देश में सुचारू उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं: नायडू

विशाखापत्तनम/भाषा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि माइक्रोसॉफ्ट सर्वर में गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में उड़ान सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न होने के बाद भारत में सुचारू ढंग से उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

नायडू ने पत्रकारों से कहा कि फिलहाल भारत में कोई समस्या नहीं है और यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा से बचाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने अभी-अभी हमारे सचिव (नागरिक उड्डयन) से बात की है। भारत में यात्रियों को परेशानियों से बचाने और सुचारू ढंग से उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सॉफ्टवेयर से 'मैनुअल सिस्टम' में बदलाव किया जा रहा है। अभी तक भारत में इस संबंध में कोई समस्या नहीं है। यदि कोई समस्या आती भी है तो दूर किया जायेगा और यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।''

महाराष्ट्र में 'भ्रष्ट' सरकार को हराने के लिए एमवीए प्रतिबद्ध : वेणुगोपाल

मुंबई/भाषा। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी महाविकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन महाराष्ट्र में 'भ्रष्ट' सरकार को हराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राज्य के लोग आगामी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा को करारा सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष अच्छा प्रचार करेगा और उनकी पार्टी के सभी नेताओं को एक स्वर में बोलने के लिए कहा गया है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) ने विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा और चुनाव रणनीति तय करने के लिए यहां एक बैठक करने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। महाराष्ट्र में इस वर्ष अक्टूबर में चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारा सबक सिखाएगी और हम चोरी से बनाई गयी भ्रष्ट सरकार को हराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वेणुगोपाल ने कहा, राज्य में कांग्रेस नेताओं को एकजुट रहने और एक स्वर में बोलने को कहा गया है। पार्टी एमवीए के सभी घटक दलों के संपर्क में है। हम बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

विप्रो का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 4.6% बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये, राजस्व घटा

बेंगलूरु। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये रहा। बेंगलूरु की कंपनी की आय हालांकि 2024-25 की पहली तिमाही में 3.8 प्रतिशत घटकर 21,963.8 करोड़ रुपये रही कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि उसे आगामी सितंबर तिमाही में आईटी सेवा व्यवसाय खंड से 260-265.2 करोड़ डॉलर तक आमदनी की उम्मीद है। विप्रो के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्रीनी पलिया ने कहा कि कंपनी ने एक और तिमाही में एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के बड़े सौदे हासिल किए। उन्होंने कहा कि कंपनी के शीर्ष खातों में वृद्धि जारी है, साथ ही 'अमेरिका 1' रणनीतिक बाजार इकाई (एसएमयू), बैंक, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) और उपभोक्ता क्षेत्रों में वृद्धि हुई।

मंगलूरु में तीन चोर 4.64 लाख रुपये के जेवरात के साथ धरे गये

मंगलूरु। मंगलूरु के उरवा थानाक्षेत्र में कोडिकल विवेकानंद नगर के एक घर में छह जुलाई को हुई चोरी के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को 4.64 लाख रुपये के चुराये गये जेवरात के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उसने उनके पास से सोने के जेवर के अलावा वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी बरामद की है। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि छह जुलाई को कोडिकल विवेकानंद नगर में एक घर में चोरी हुई थी जिसकी जांच की गई और आज आरोपियों की गिरफ्तारी में सफलता मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तीनों आरोपियों-- वेंकटेश उर्फ वेंकी (21), सागर (21) और रंजीत (20) को बेंगलूरु ग्रामीण जिले में नेलमंगला तालुक के गंगोदानहल्ली से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ के दौरान चोरी में अपनी संलिप्तता कबूली। अग्रवाल के अनुसार पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया और अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

जमा वृद्धि के कर्ज से पीछे रहने से हो सकती है संरचनात्मक नकदी की समस्या : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जमा वृद्धि अगर कर्ज बढ़ने के मुकाबले पीछे है, तो संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को बैंकों को आगाह किया।

दास ने असुरक्षित ऋण के मोर्चे पर और भी समस्याओं की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि बैंकों के पास पर्याप्त बड़े पोर्टफोलियो होने के बावजूद, ऐसे जोखिम भरे ऋण के लिए उच्च सीमा है। उन्होंने बैंकों से सतर्क रहने को कहा। दास ने बैंकों से ऋण तथा जमा वृद्धि के बीच उचित संतुलन बनाए रखने का आग्रह

करते हुए कहा कि घरेलू बचत का एक बड़ा हिस्सा जो पहले जमा के रूप में बैंकिंग प्रणाली में आता था, अब म्यूचुअल फंड जैसे अन्य साधनों में जा रहा है। उन्होंने अखबार फाइनेंशियल एक्सप्रेस के एक कार्यक्रम में कहा, ''ऋण वृद्धि को जमा वृद्धि से बहुत आगे नहीं बढ़ना चाहिए। खासकर तब, जब बैंकों को सीआरआर, एसएलआर, एलसीआर बनाए रखने की आवश्यकता होती है।''

दास ने कहा कि पिछले कुछ समय से जमा राशि जुटाने की प्रक्रिया ऋण वृद्धि से पिछड़ रही है। इससे प्रणाली में संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और एनबीएफसी तथा अन्य ऋणदाताओं को संरचनात्मक परिवर्तनों की पहचान करनी चाहिए और उनके अनुसार अपनी रणनीति तैयार करनी चाहिए।

डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में उन्होंने कहा कि आरबीआई फर्जी खातों की जांच करने के लिए बैंकों और जांच एजेंसियों के साथ काम कर रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट व्यवधान से 10 बैंक, एनबीएफसी पर पड़ा मामूली असर: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में व्यवधान के कारण देश के 10 बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के कामकाज में मामूली व्यवधान पैदा हुआ, जिसे या तो हल कर लिया गया या समाधान किया जा रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में व्यापक व्यवधान आने से शुक्रवार को दुनिया भर में उड़ानें, बैंक, मीडिया संस्थान और कंपनियों का कामकाज बाधित हुआ। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह अपने माइक्रोसॉफ्ट 365 ऐप और सेवाओं तक पहुंच पर असर डालने वाली समस्या को धीरे-धीरे ठीक कर रही है। रिजर्व बैंक ने इस समस्या पर जारी एक बयान में कहा कि उसने अपनी विनियमित संस्थाओं पर इस व्यापक तकनीकी व्यवधान के प्रभाव का आकलन किया है। आरबीआई ने बयान में कहा, अधिकांश बैंकों के महत्वपूर्ण सिस्टम क्लाउड में नहीं हैं। इसके अलावा कुछ चुनिंदा बैंक ही क्राउडस्ट्राइक साधन का उपयोग कर रहे हैं। हमारा आकलन दर्शाता है कि केवल 10 बैंकों और एनबीएफसी में मामूली व्यवधान थे, जिन्हें या तो हल कर लिया गया है या हल किया जा रहा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि उसके नियमन के दायरे में में आने वाला भारतीय वित्तीय क्षेत्र कुल मिलाकर वैश्विक तकनीकी व्यवधान से अछूता है।

हरियाणा के लिए 'केजरीवाल की गारंटी' जारी करेंगी सुनीता केजरीवाल : आप

चंडीगढ़/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता हरियाणा के लिए केजरीवाल की गारंटी की शुरुआत करेंगी, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। आप की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने यह जानकारी दी। गुप्ता ने बताया कि सुनीता केजरीवाल पंचकूला में बैठक के दौरान केजरीवाल की गारंटी की शुरुआत करेंगी। हम भाजपा और कांग्रेस की तरह वादे नहीं करते, गारंटी देते हैं। ये अरविंद केजरीवाल की गारंटी होगी, न कि (नरेन्द्र) मोदी की खोखली गारंटी। जब उनसे पूछा गया कि क्या इन गारंटियों में यह भी शामिल होगा कि हरियाणा को एसवाईएल का पानी मिलेगा, तो गुप्ता ने चुटकी लेते हुए कहा, हरियाणा को पानी मिलना चाहिए।

नई ट्रेनों का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने शुक्रवार को तूतीकोरिन और मेट्टुपलायम के बीच नई द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। मंत्री ने विभिन्न अन्य रेल सेवाओं के विस्तार एवं ठहराव को भी हरी झंडी दिखाई।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने शुक्रवार को 2024 को मेट्टुपालयम में आयोजित एक समारोह में विभिन्न ट्रेनों की शुरुआत, विस्तार और ठहराव को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सेलम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिन्हा, सेलम मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक पी. शिवलिंगम, रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य, आमंत्रित व्यक्ति, सेलम मंडल के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तथा रेल यात्रियों ने भाग लिया।

डॉ. एल. मुरुगन ने शुक्रवार को को मेट्टुपालयम में आयोजित समारोह में निम्नलिखित ट्रेनों के परिचय, विस्तार और ठहराव को चिह्नित करते हुए मेट्टुपालयम से तूतीकोरिन तक विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

ट्रेन संख्या 16766/16765 तूतीकोरिन – मेट्टुपालयम – तूतीकोरिन द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस 19 जुलाई को मेट्टुपालयम से द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस। कोयंबटूर-मेट्टुपालयम मेमू सेवाओं का पोदनूर जंक्शन तक विस्तार (ट्रेन संख्या 06009/06812, 06815/06816 और 06822/06823)। ट्रेन संख्या 22615/22616 तिरुपति – कोयंबटूर – तिरुपति एक्सप्रेस के लिए सामलपट्टी में ठहराव।

मंत्री ने मेट्टुपालयम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मयिलादुतुरई से कुड्डालोर बंदरगाह तक उद्घाटन विशेष ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रेन संख्या 16231/16232 मैसूरु-मयीलाडूतुरै-मैसूरु एक्सप्रेस का कुड्डालोर बंदरगाह तक विस्तार। ट्रेन संख्या 16233/16234 मयिलादुथुराई – तिरुचिरापल्ली – मयिलादुथुराई एक्सप्रेस (जिसे ट्रेन संख्या 16833/16834 नाम दिया गया है) की आवृत्ति सप्ताह में 5 दिन से बढ़ाकर प्रतिदिन कर दी गई है।

द्रमुक ने 3 नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ अदालत का रुख किया

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों को असंवैधानिक और अवैध घोषित करने की अपील करते हुए शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया। देश में एक जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए), लागू हो चुके हैं जिन्होंने ब्रिटिशकालीन कानूनों- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

न्यायमूर्ति एस.एस. सुन्दर और न्यायमूर्ति एन सेंथिल कुमार की खंडपीठ के समक्ष द्रमुक के संगठन सचिव आर.एस. भारती द्वारा दायर याचिका सुनवाई के लिए आई। पीठ ने केंद्र को नोटिस जारी करने का आदेश दिया जिसका जवाब चार सप्ताह के भीतर देना होगा। याचिकाकर्ता के अनुसार सरकार ने तीनों विधेयक पेश किए और बिना किसी सार्थक चर्चा के उन्हें संसद से पारित करा लिया। किसी भी ठोस बदलाव के बिना केवल धाराओं में फेरबदल अनावश्यक है।

बीडीयू में एनएमएल का क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) के तहत सार्वजनिक पुस्तकालय कर्मियों के लिए पुस्तकालयों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमएल) का 45वां क्षमता निर्माण कार्यक्रम 19 जुलाई से विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग (डीएलआईएस) के सहयोग से भारतीदासन विश्वविद्यालय (बीडीयू) में शुरू किया गया है। गणमान्य व्यक्तियों में, बीडीयू के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ वी राजेश कन्नन, बीडीयू के डीएलआईएस डॉ सी रंगनाथन, एनएमएल के परियोजना अधिकारी श्री दीपांजन चटर्जी, बीडीयू के सामाजिक कार्य विभाग के प्रमुख डॉ आर मंगलेश्वरन, बीडीयू के डीएलआईएस के प्रोफेसर और कार्यक्रम के समन्वयक डॉ आर बालासुब्रमणि, तमिलनाडु सरकार के जिला पुस्तकालय अधिकारी श्री एम शिवकुमार यह कार्यक्रम 23 जुलाई तक जारी रहेगा।

क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम एनएमएल के प्रमुख घटकों में से एक है, जिसे राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की सिफारिश पर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2014 में लॉन्च किया था। इस प्रशिक्षण में लगभग 60 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें मुख्य रूप से कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सार्वजनिक पुस्तकालय पेशेवर शामिल हैं। दीपांजन चटर्जी ने कहा, एनएमएल की स्थापना 2014 में इसके 04 घटकों अर्थात मॉडल पुस्तकालयों की स्थापना, सार्वजनिक पुस्तकालयों का गुणात्मक और मात्रात्मक सर्वेक्षण, क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम और भारत के राष्ट्रीय वर्चुअल पुस्तकालय के निर्माण के साथ की गई थी। पहले तीन घटकों की देखभाल आरआरआरएलएफ द्वारा की गई है, जो केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है। आरआरआरएलएफ की स्थापना 1972 में हुई थी और यह पूरे देश में सार्वजनिक पुस्तकालयों के उत्थान और बेहतरी के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, आरआरआरएलएफ की सहायता के अलावा, तमिलनाडु सरकार द्वारा संचालित दो (02) मॉडल पुस्तकालय अर्थात जिला पुस्तकालय तिरुचिरापल्ली और वेल्लोर को मॉडल लाइब्रेरी के रूप में अपग्रेड किया गया और एनएमएल ने पहले ही क्रमशः 68 लाख रुपये और 79 लाख रुपये की सहायता प्रदान की है।

एम. शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि हमें पढ़ने की आदत डालने के लिए पुस्तकालय अवश्य जाना चाहिए और पुस्तकालयों को आधुनिक उपकरणों और तकनीकों से उन्नत बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एनएमएल और आरआरआरएलएफ गुणवत्तापूर्ण पुस्तकालय अवसंरचना विकसित करने के लिए राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. बालासुब्रमणि ने बताया कि, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगले 5 दिनों में 65 पुस्तकालय पेशेवरों को अद्यतन आईसीटी कौशल, पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर, पुस्तकालय प्रबंधन, दस्तावेजों के संरक्षण आदि के साथ समाज को गुणवत्तापूर्ण पुस्तकालय सेवाएं प्रदान करने के संबंध में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

चेन्नई की अदालत ने जाफर सादिक की ईडी हिरासत चार दिन बढ़ायी

चेन्नई। चेन्नई की एक अदालत ने द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के बर्खास्त पदाधिकारी जाफर सादिक की धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत शुक्रवार को चार दिन के लिए बढ़ा दी। ईडी ने तीन दिन की हिरासत अवधि पूरी होने के बाद जाफर सादिक को प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. अली के समक्ष पेश किया तथा अतिरिक्त 12 दिन की हिरासत का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की। हालांकि, न्यायाधीश ने चार दिन की हिरासत मंजूर की और केंद्रीय एजेंसी को सादिक को 23 जुलाई को पेश करने का निर्देश दिया। सादिक को इस साल मार्च में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने मादक पदार्थ तस्करी रैकेट के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। बाद में ईडी ने सादिक के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया था।

महिलाओं की आत्मसुरक्षा के लिए जागरूकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महिलाओं को आत्मरक्षा की तकनीकों पर प्रशिक्षण गुरुनानक कॉलेज (आटोनॉमस) में पैन ट्रस्ट के सहयोग से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जिसके तहत कॉलेज की लड़कियों को शारीरिक, मानसिक और न्यायिक जानकारी और जागरूकता के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसने परिसर में जीएनसी पेन के 'उदयल पदई की शुरुआत को चिह्नित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य साथी छात्रों और महिलाओं को बुनियादी और आसान आत्मरक्षा तकनीकों के बारे में शिक्षित करना था जो खतरे के समय काम आ सकती हैं। गुरुनानक सेंटर फॉर कंसल्टेंसी एंड आउटरीच इनिशिएटिव्स की पहल के तहत, अब तक लगभग 2100 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

इन प्रशिक्षणों में लड़कियों को आत्मरक्षा के लिए विभिन्न तकनीकें सिखाई जाती हैं और ये तकनीकें 18वीं शताब्दी की हैं जो शिवगंगा की रानी वेलुनाचियार की सभी महिला सेना द्वारा उपयोग की जाती थीं। यह प्रशिक्षण केवल स्कूलों और कॉलेजों की लड़कियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गृहणियों, कॉर्पोरेट, अस्पतालों, पैरामेडिक्स आदि में महिलाओं तक भी विस्तारित है। सीएसआर नीति के तहत चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के सहयोग से पेन ट्रस्ट ने उत्तरी चेन्नई की दसवीं से बारहवीं की छात्राओं और महिलाओं को चेन्नई गर्ल्स एचआर में 5 दिनों के लिए आत्मरक्षा पर प्रशिक्षित करने की पहल की है। गुरु नानक कॉलेज की अच्छी तरह से प्रशिक्षित लड़कियों द्वारा सेकेंडरी स्कूल, वाशरमैनपेट – जीएनसी पेन्स उदयल पदई। 950 से अधिक छात्राओं और 30 गृहणियों को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकें सिखाई गईं।

चार लोग गिरफ्तार, हाथी दांत बरामद

इरोड। जिले के एंथियूर वन क्षेत्र के कर्मियों ने चार लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हाथी दांत बरामद किया गया। वन अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ लोगों के पास हाथी दांत हैं और वे उन्हें एंथियूर में गुरुनाथस्वामी मंदिर इलाके में बेचना चाहते हैं। वन कर्मियों ने बृहस्पतिवार को एंथियूर में स्थित गुरुनाथस्वामी मंदिर के पास एक कार रोकी और उसमें सवार लोगों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान चारों लोगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मंदिर के तालाब के पास हाथी के चार दांत मिट्टी में छिपाकर रखे थे। अधिकारियों ने हाथी के दांतों को बरामद कर लिया है। उन्होंने अधिकारियों को आगे बताया कि वे लोग किसी अन्य व्यक्ति से हाथी के दांत लेते थे और उन्हें ऊंची कीमत पर बेच देते थे। वन अधिकारियों ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और हाथी दांत की बिक्री में शामिल छह अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

थरूर ने कर्नाटक के नौकरी आरक्षण विधेयक को असंवैधानिक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य एवं सांसद शशि थरूर ने अपनी पार्टी के शासन वाले कर्नाटक में निजी क्षेत्र में कन्नड़ भाषी लोगों के लिए नौकरी आरक्षित करने संबंधी विधेयक की आलोचना की और इसे 'असंवैधानिक'' तथा 'अविवेकपूर्ण'' बताया। हालांकि, उन्होंने विधेयक को रोकने के सिद्दरामैया-नीत सरकार के फैसले पर खुशी भी व्यक्त की। लोकसभा सदस्य थरूर ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से यहां कहा, यह कोई बुद्धिमानी भरा निर्णय नहीं था। अगर हर राज्य ऐसा कानून लाएगा तो यह असंवैधानिक होगा। संविधान के अनुसार, प्रत्येक नागरिक को भारत के किसी भी हिस्से में स्वतंत्र रूप से रहने, काम करने और यात्रा करने का अधिकार है।''

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने इसी तरह का एक विधेयक तब खारिज कर दिया था, जब हरियाणा में एक सरकार ने इसे पेश करने की कोशिश की थी। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि कर्नाटक ने ऐसा क्यों सोचा, (और) किस आधार पर किया।'' उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कानून लागू किया गया तो राज्य से कारोबार तमिलनाडु और केरल जैसे पड़ोसी राज्यों में स्थानांतरित हो जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को कर्नाटक में उद्योगों, कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में ''स्थानीय अभ्यर्थियों का रोजगार विधेयक, 2024'' को मंजूरी दे दी थी, जिसमें निजी कंपनियों के लिए कन्नड़ भाषी लोगों के वास्ते नौकरियां आरक्षित करना अनिवार्य हो गया था।

उद्योग जगत ने इस कदम की आलोचना की और नैसकॉम ने चेतावनी दी कि कंपनियां कर्नाटक से बाहर चली जाएंगी। इसके बाद राज्य सरकार ने विधेयक को रोक दिया। इस विधेयक को बृहस्पतिवार को विधानसभा में पेश किए जाने की उम्मीद थी।

तिरुवल्लूर में आयकर-टीडीएस जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्य आयकर आयुक्त (टीडीएस) एल राजशेखर रेड्डी के कुशल मार्गदर्शन में, कोषागार और लेखा आयुक्तालय, चेन्नई के समन्वय में, तमिलनाडु राज्य सरकार के आयकर कटौतीकर्ताओं के लाभ के लिए तमिलनाडु क्षेत्र में आयकर-टीडीएस जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

आयकर आयुक्तालय (टीडीएस) के आयकर आयुक्त एम मुरली और अतिरिक्त आयकर आयुक्त एम अर्जुन मणिक के कुशल मार्गदर्शन में विल्लुपुरम, कुड्डालोर और तिरुवल्लूर जिलों के आयकर कटौतीकर्ताओं के लाभ के लिए आयकर-टीडीएस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस संबंध में, तिरुवल्लूर जिले

के आयकर कटौतीकर्ताओं के लाभ के लिए आयकर-टीडीएस जागरूकता कार्यक्रम तमिलनाडु सरकार के कटौतीकर्ताओं के लिए गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर, तिरुवल्लूर में आयोजित किया गया था। तिरुवल्लूर के जिला कोषागार अधिकारी षणमुगनाथम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा स्वागत भाषण दिया। सुश्री चित्रा, निजी सहायक (लेखा) ने जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

शिवेन अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय निवासी 15 वर्षीय शिवेन अग्रवाल ने हाल ही में पाकिस्तान में आयोजित एशियाई जूनियर स्क्वैश चैम्पियनशिप 2024 बॉयज अंडर 15 में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। शिवेन अग्रवाल एशियाई जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2024 के अंडर 15 बालक वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता बने।

उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर भारत को अपनी अपार सफलताओं से गौरवान्वित किया है। मार्च 2024 तक भारत में नंबर 1 और फरवरी 2024 में एशियाई रैंकिंग में नंबर 6 पर होंगे। उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अपने लक्ष्य के प्रति एकनिष्ठ प्रयास ने उन्हें जीत दिलाई है। हाल ही में पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित 31वीं एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वैश चैंपियनशिप में जीत के साथ उन्होंने स्वयं को एक शक्तिशाली खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर लिया है।

'सर्वर' में गड़बड़ी : चेन्नई हवाई अड्डे पर नियमित कामकाज बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई हवाई अड्डे पर नियमित यात्री सेवा गतिविधियां शुक्रवार को बाधित हुईं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमानन कंपनियों के काउंटर पर यात्रियों को हाथ से लिखे बोर्डिंग पास दिए जा रहे हैं और लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। यही स्थिति तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे पर भी है। सूत्रों के मुताबिक, कई उड़ानों में देरी हुई और एक विमानन कंपनी ने चेन्नई-तिरुचिरापल्ली के बीच शाम की उड़ान को रद्द कर दिया। सूत्रों ने बताया कि नियमित गतिविधियों में व्यवधान सर्वर में गड़बड़ी के कारण हुआ। माइक्रोसॉफ्ट की सेवा में व्यवधान की वजह से हवाई अड्डे और विमानन कंपनियों का परिचालन प्रभावित हुआ है।

उच्च न्यायालय ने स्कूल टीसी में शुल्क बकाया का उल्लेख किये जाने पर अप्रसन्नता जताई

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि किसी बच्चे का स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) स्कूलों के लिए लंबित शुल्क वसूलने का कोई जरिया नहीं है, बल्कि यह छात्र के नाम से जारी किया गया एक निजी दस्तावेज है तथा इसमें बकाया शुल्क के संबंध में कोई प्रविष्टि नहीं की जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्यभर के सभी स्कूलों को परिपत्र/निर्देश/आदेश जारी करे, ताकि दाखिले के समय बच्चे से टीसी दिखाने पर जोर न दिया जाए तथा स्कूल प्रबंधन को दस्तावेज में शुल्क का भुगतान न करने या देरी से भुगतान करने जैसी जानकारी का उल्लेख करने से रोका जाये।

न्यायमूर्ति एस. एम. सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति सी. कुमारप्पन की खंडपीठ ने उपरोक्त निर्देश देते हुए कहा कि उल्लंघन की स्थिति में बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई अधिनियम) की धारा 1% और बच्चों के संरक्षण के लिए लागू प्रासंगिक कानूनों के तहत कार्रवाई शुरू की जायेगी।

पीठ ने राज्य सरकार को तमिलनाडु शिक्षा नियमों और मैट्रिक स्कूलों के लिए विनियमन संहिता पर फिर से विचार करने और इसके अनुसार तीन महीने की अवधि के भीतर आरटीई अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप सभी आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
मानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र (एचएसएफसी)
निर्माण एवं रखरखाव समूह (सीएमजी)
अंतरिक्ष भवन, बेंगलूरु - 560094, फोन : 080-22172614/2613/5610

ई-निविदा सूचना क्र : HSFC/CMG/2(5)/E/115/2024-25 दिनांक : 19.07.2024

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

कार्य का नाम :	66/11kV देवनाहल्ली सब स्टेशन, बेंगलूरु में 11kV स्विचगियर और संबंधित सिविल कार्य प्रदान करना
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 25.57 लाख
कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	(02) दो माह
अवधि जिसके दौरान निविदा दस्तावेजों का अनुरोध किया जा सकता है	20.07.2024 को 11.00 बजे से 27.07.2024 को 23.30 बजे तक
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	20.07.2024 को 11.10 बजे से 27.07.2024 को 23.59 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	20.07.2024 को 11.30 बजे से 28.07.2024 को 14.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	29.07.2024 को 17.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	30.07.2024 को 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय (तकनीकी बोली)	30.07.2024 को 11.30 बजे
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 51,140/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (ई-एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह निदेशक, सीएमजी, एचएसएफसी

बजट सौगातों के लिए लालसोट की जनता ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के पहले ही बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हम केवल चुनावी घोषणा ही नहीं करेंगे बल्कि योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन कार्यों का शिलान्यास हम करेंगे उनका उद्घाटन भी हमारी सरकार द्वारा किया जाएगा।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर लालसोट विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की आभार सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का वर्ष 2024-25 का परिवर्तित बजट प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिससे विकास का रोडमेप तैयार हो तथा विकसित राजस्थान संकल्प की सिद्धि की जा सके। हम 8 करोड़ जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित होकर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय की अवधारणा की पालना कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए योजनाओं-कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद को लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में मदद कर सभी लोग अपने नागरिक कर्तव्यों का पूरा करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र एवं बजट की प्रत्येक घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा ने कहा कि लालसोट विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए परिवर्तित बजट 2024-25, लेखानुदान एवं बजट रिप्लाई में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं एवं प्रावधान किए गए हैं। इसके अन्तर्गत 5.10 करोड़ रूपये की लागत से लालसोट से खटवा नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण सड़क निर्माण, 5.49 करोड़ रूपये की लागत से एनएच 148 डूंगरपुर मोड से डोब वाया हरिपुरा नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण का निर्माण करवाया जाएगा।

साथ ही, लालसोट में श्यामपुरा-दौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत, राहूवास-दौसा में नवीन उपखंड कार्यालय खोलना, लालसोट-दौसा की नगर पालिका को नगर परिषद में क्रमोन्नत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लालसोट-दौसा में एनिकट का निर्माण, मरम्मत एवं जीर्णोद्धार, रामगढ़ पचवारा-दौसा में कृषि मण्डी की स्थापना की जायेगी। इसके साथ ही 6 करोड़ 10 लाख रुपये लागत से नांगल मोड, देवली रोड (लालसोट बाईपास) नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण का कार्य तथा कन्या महाविद्यालय, लालसोट को यूजी से पीजी में क्रमोन्नत किया जायेगा।

विधानसभा अध्यक्ष के लिए इस्तेमाल शब्द को लेकर सदन में हंगामा, कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी

नेता प्रतिपक्ष द्वारा अध्यक्ष के लिए कथित तौर पर 'धृतराष्ट्र' शब्द इस्तेमाल किए जाने को लेकर शुक्रवार को सदन में हंगामा हुआ और कार्यवाही दो बार के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं अध्यक्ष वासुदेव देवनानी में मामूली नोकझोंक भी हुई। हालांकि बाद में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष की ओर से आसन को समुचित सम्मान दिए जाने के आश्वासन के बाद सदन की कार्यवाही सुचारू हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा अध्यक्ष के लिए कथित तौर पर 'धृतराष्ट्र' शब्द इस्तेमाल किए जाने को लेकर शुक्रवार को सदन में हंगामा हुआ और कार्यवाही दो बार के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं अध्यक्ष वासुदेव देवनानी में मामूली नोकझोंक भी हुई। हालांकि बाद में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष की ओर से आसन को समुचित सम्मान दिए जाने के आश्वासन के बाद सदन की कार्यवाही सुचारू हुई।

सदन में शून्यकाल शुरू होते ही जूली ने बृहस्पतिवार शाम को अनुदान मांगों पर जवाब के दौरान हुए हंगामे और मंत्रियों के आचरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हम सत्ता पक्ष के दुश्मन नहीं है। संविधान में हमारी जिम्मेदारी तय की गई है। विधानसभा के नियम प्रक्रिया में हमारी जिम्मेदारी तय की गई है। उन्होंने मंत्रियों एवं सत्ता पक्ष के विधायकों के आचरण पर आपत्ति जताते हुए कहा, हम प्रश्न कुछ पूछते हैं, उत्तर कुछ और आते हैं।

उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से कहा, आपका झुकाव हमारी तरफ होना चाहिए लेकिन आपका झुकाव उधर रहता है। हम उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय तो जा नहीं सकते। हम अपनी बात आपको ही कह सकते हैं। आपका संरक्षण चाहते हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, हमारी राजस्थान विधानसभा की परंपराएं बहुत स्वरस्थ रही हैं। आसन पर कोई आक्षेप नहीं लगाया जाए। टीका-टिप्पणी नहीं की जाए। आसन के संबंध में कोई अमर्यादित शब्द न हम कहें और न आप कहें। आसन की गरिमा आप और दोनों मिलकर रखेंगे तभी रहेगी।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी मंत्री पूरा जवाब देते हैं और पूरी तैयारी के साथ आते हैं। बृहस्पतिवार को बहिर्गमन कर सदन से बाहर जाने के बाद जूली द्वारा अध्यक्ष के लिए 'धृतराष्ट्र' शब्द के इस्तेमाल से नाराज देवनानी ने कहा, प्रतिपक्ष के नेता अगर आसन के लिए धृतराष्ट्र शब्द का इस्तेमाल करते हैं तो मैं उसकी निंदा करता हूं। उनको माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा, किसी को लगता है कि मैं निष्पक्ष नहीं हूं तो आप (अविश्वास) प्रस्ताव ला सकते हैं। मुझे पद का मोह नहीं है। आपने सर्वसम्मति से मुझे यह पद दिया है। मैं नियमों, परंपराओं और मर्यादाओं के अनुसार चलूंगा। इसके बाद जूली ने कहा, आसन का निरादर करने की हमारी कोई मंशा नहीं है। हमारी बात सुनकर यदि गलत शब्द निकाल दिए जाते तो बात इतनी नहीं बढ़ती। हम कतई नहीं चाहते कि आसन का कोई अपमान हो या निंदा हो। हम आसन का संरक्षण चाहते हैं। अगर हमारी किसी बात से आपको कोई ठेस पहुंची है तो उसके लिए मैं माफी चाहता हूं।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा, रही बात अविश्वास प्रस्ताव की, तो कभी जरूरत पड़ी तो वह भी लेकर आएंगे। इस पर अध्यक्ष देवनानी ने कहा, लेकर आइए, मैं आपको चुनौती देता हूं। इसके बाद सदन में हंगामा होने लगा। हंगामा थमते न देख देवनानी ने सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित कर दी। बाद में भोजन काल को देखते हुए स्थगन दो बजे तक बढ़ाया गया। दो बजे आए सभापति ने कार्यवाही आधे घंटे के लिए और स्थगित कर दी।

दरअसल बृहस्पतिवार शाम को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की एक टिप्पणी पर कांग्रेस के विधायकों ने आपत्ति जताते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। जूली ने मंत्री की टिप्पणी को असंसदीय बताते हुए कार्यवाही से हटाने की मांग की। अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि कुछ भी असंसदीय होगा तो वह उसे हटवा देंगे। लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने नारेबाजी के बाद सदन से बहिर्गमन कर दिया। इसके बाद सदन बैठा तो सत्ता पक्ष एवं विपक्ष ने आसन का समुचित सम्मान करने का आश्वासन देवनानी को दिया। कांग्रेस विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, मैं प्रतिपक्ष की ओर से आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि इस आसन की गरिमा हमारी गरिमा है, इस सदन की गरिमा है, इस प्रदेश की गरिमा है... इसको हम बनाकर रखेंगे, कभी भी इसमें किसी तरह की कोताही नहीं होगी।

सत्ता पक्ष की ओर से संसदीय कार्यमंत्री पटेल ने कहा,मैं इस सदन में सत्ता पक्ष के सभी माननीय सदस्यों की ओर से आपको यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारे लिए आपका आसन विक्रमादित्य के आसन से कम नहीं है। हमने कभी भी आसन के किसी भी आदेश की अवहेलना करने की कोशिश नहीं की और न हम भविष्य में करेंगे। यह आसन हमारे लिए बहुत बड़ी चीज है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष का भी समुचित सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा,संविधान में प्रदत्त अधिकारों एवं हमारी स्वच्छ परंपराओं के अनुसार सदन के नेता के बाद हमारे लिए कोई सम्मानीय है तो नेता प्रतिपक्ष है। हम दोनों को बराबर सम्मान से देखते हैं। आप जब भी खड़े होंगे सत्ता पक्ष का कोई सदस्य टोकाटाकी नहीं करेगा, मान-सम्मान को ठेस नहीं पहुंचाएगा।

देवनानी ने कहा कि उन्होंने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। उन्होंने कहा,दोनों पक्षों को मैं पहले दिन ही कहा था कि जब मैं कॉपी जांचता हूं तो बाहर किसी का नाम या रोल नंबर नहीं होता। निष्पक्ष रूप से मैं लिखे के आधार पर अंक देता हूं। यही मैंने व्यवहार में लाने का प्रयास किया। देवनानी ने व्यवस्था दी,मंत्री अविनाश गहलोत ने अपने जवाबी वक्तव्य में जो कुछ बातें कहीं, नेता प्रतिपक्ष ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, उन्हें तथा विधायक हरीश चौधरी द्वारा पढ़ी गई कविता को मैं आपत्ति के आधार पर कार्यवाही से निकाल रहा हूं।

हेलमेट पहने बिना वाहन चला रही महिला को नशे में धुत होकर परेशान करने पर एएसआई निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। हेलमेट पहने बिना वाहन चला रही एक महिला को नशे की हालत में परेशान करने और धमकाने के आरोप में राजस्थान पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जोधपुर में भास्कर सर्किल के पास ब्यूटी पार्लर संचालित करने वाली महिला को अधिकारी द्वारा परेशान किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद एएसआई को निलंबित किया गया। पीड़िता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना के तुरंत बाद उसने शिकायत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह घटना सोमवार रात को उस समय हुई जब निकिता जैन काम के बाद दोपहिया वाहन से घर जा रही थी। जैन ने अपनी शिकायत में कहा कि एएसआई अमित मीना ने हेलमेट पहने बिना वाहन चलाने पर उसे भास्कर सर्किल के पास रोका और उससे कथित तौर पर 5,000 रुपये का जुर्माना मांगा।

महिला ने कहा कि जब उसने पैसे देने से इनकार कर दिया और वहां से जाने की कोशिश की, तो अधिकारी ने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे धमकाना शुरू कर दिया। शिकायत में कहा गया है कि इस बीच, कुछ लोग वहां एकत्र हो गए और निकिता जैन वहां से चली गई लेकिन कुछ ही देर बाद उसने देखा कि मीना अपनी मोटरसाइकिल से उसका पीछा कर रहा था।

इसमें कहा गया है कि एएसआई ने महिला के दोपहिया वाहन को कई बार टक्कर मारी, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर गई। जैन ने कहा कि इसके बाद उसने अपने परिवार के सदस्यों को इस बारे में तुरंत सूचित किया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर पुलिस को इस घटना की सूचना दी। उसने कहा कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और कोई कार्रवाई किए बिना अधिकारी को अपने साथ ले गई।

पीड़िता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उसने स्थानीय पुलिस थाने में मीना के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। उसने आरोप लगाया कि वह दो दिन तक पुलिस थाने के चक्कर लगाती रही, लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई।

शिकायतकर्ता ने बताया कि पुलिस ने एएसआई के खिलाफ कार्रवाई तभी की, जब वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी मिली। पुलिस ने बताया कि पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (मुख्यालय) शरद चौधरी ने बुधवार को एक आदेश जारी कर एएसआई मीना को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन में भेज दिया। उन्होंने बताया कि अधिकारी को बृहस्पतिवार को निलंबित कर दिया गया और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी (रातानाडा) प्रदीप डांगा ने बताया कि एएसआई मीना के खिलाफ बुधवार को विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और एक उपनिरीक्षक को मामले की जांच की जिम्मेदारी दी गई है। डांगा ने बताया कि बुधवार को जब मीना को रातानाडा थाने में बुलाया गया, वह उस समय भी कथित तौर पर नशे में धुत था। उन्होंने बताया कि चिकित्सकीय जांच में पुष्टि हुई है कि आरोपी शराब के नशे में था।

बाड़मेर में कई जगह भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में बाड़मेर जिले में कहीं कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते 24 घंटों में राज्य में कुछ स्थानों पर बादलों की गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा तथा बाड़मेर जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सबसे अधिक 97 मिलीमीटर बारिश बाड़मेर के बालोतरा में और 62 मिलीमीटर बारिश राजसमंद के आमेट में दर्ज की गई। इस दौरान फलोदी में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, अगले 3-4 दिन बारिश जारी रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 20-21 जुलाई को बारिश में बढ़ोतरी होने तथा कोटा व उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी दिनों में मेघ गर्जन व बारिश जारी रहने की संभावना है।

अंगदान को लेकर सामाजिक चेतना जाग्रत करने में सेवाभावी संगठनों की भूमिका अहम : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि अंगदान बड़े पुण्य का काम है। इसके माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दिया जा सकता है। राज्य सरकार प्रदेश में अंगदान को बढ़ावा दे रही है। नागर शुक्रवार को अल्बर्ट हॉल पर राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से आयोजित अंगदान-महादान रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस संवेदनशील विषय पर जनचेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से रेडक्रॉस की पहल की सराहना की और कहा कि अंगदान को लेकर समाज में भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। इस दिशा में रेडक्रॉस सहित अन्य सेवाभावी संगठन महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, राजस्थान के जनरल सेक्रेटरी जगदीश जिंदल, उपाध्यक्ष जगदीश खत्री, जयपुर ब्रांच की डॉ. नीलम जैन, अतिरिक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. रश्मि गुप्ता, एसएमएस अस्पताल के रिहैबिलिटेशन सेंटर के निदेशक डॉ. मृणाल जोशी आदि ने ऊर्जा मंत्री का स्वागत किया।

सांगानेरी गेट से रवाना होकर बड़ी संख्या में युवाओं तथा विद्यार्थियों की यह रैली अल्बर्ट हॉल पहुंची। जहां प्रतिभागियों ने अंगदान की शपथ ली।

कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट पर हुआ त्रिपक्षीय एमओयू

आमजन को मिलेगी अत्याधुनिक हवाई सुविधा, पर्यटन को लगेंगे पंख : भजनलाल

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट मील का पत्थर साबित होगा। इसके निर्माण से प्रदेश में ना केवल पर्यटन को गति मिलेगी अपितु शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में भी इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में विमानन क्षेत्र का विकास अहम है।

भजनलाल शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास को लेकर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, नगरीय विकास विभाग एवं नागरिक उड्डयन विभाग के मध्य हुए त्रिपक्षीय एमओयू पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिस गति से सड़क एवं रेल मार्ग का विस्तार हो रहा है, उसी स्केल पर हवाई क्षेत्र पर फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा एवं उद्योगों की नगरी कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण से हाडौती अंचल के लाखों निवासियों को हवाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। हमारी सरकार के संकल्प की सिद्धि में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल की क्षमता का भी विस्तार किया जा रहा है। वर्तमान में इसकी क्षमता 50 लाख यात्री प्रतिवर्ष है जो विस्तार के बाद बढ़कर 70 लाख प्रतिवर्ष हो जाएगी। उन्होंने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष से आग्रह किया कि जयपुर एयरपोर्ट पर नए स्टेट टर्मिनल के लिए शीघ्र कार्य शुरू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उदयपुर हवाई अड्डे के विकास और विस्तार तथा उत्तरलाई (बाड़मेर) हवाई अड्डे पर स्थायी सिविल एन्क्लेव एवं अप्रोच रोड के लिए निशुल्क भूमि उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट निर्माण के लिए भूमि निःशुल्क उपलब्ध करवाएगी। वहीं ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण, विकास एवं संचालन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की होगी।

भील समुदाय अलग राज्य की मांग करेगा : राजकुमार रोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में सांसद राजकुमार रोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक प्रतिनिधिमंडल भील समुदाय के लिए अलग राज्य के प्रस्ताव के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेगा। गुजरात और राजस्थान सहित पड़ोसी राज्यों से भील जनजाति के लोग बड़ी संख्या में जनसभा के लिए मानगढ़ धाम में एकत्र हुए थे।

यह स्थान आदिवासी समुदाय का पूजनीय स्थल है। आदिवासी नेताओं द्वारा आयोजित रैली में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद रोत ने कहा कि 'भील प्रदेश' के गठन की मांग लंबे समय से लंबित है और उनकी पार्टी इस मुद्दे को पूरी ताकत से उठा रही है। उन्होंने कहा, भील प्रदेश की मांग नयी नहीं है। बीएपी इस मांग को जोरदार तरीके से उठा रही है।

सांसद ने कहा, महारैली के बाद एक प्रतिनिधिमंडल प्रस्ताव के साथ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करेगा। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को लोकसभा में भी उठाएंगे। इस मांग को उठाने के लिए आसपुर से बीएपी विधायक उमेश मीना और धरियावाद से पार्टी विधायक थावरचंद डामोर भील राज्य की मांग वाली टी-शर्ट पहनकर राजस्थान विधानसभा पहुंचे। रोत ने 'एक्स' पर लिखा, 1913 में मानगढ़ पर 1500 से अधिक आदिवासियों का बलिदान सिर्फ भक्ति आंदोलन के लिए नहीं था, भील प्रांत की मांग के लिए था।

आदिवासी समुदाय राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के 49 जिलों को मिलाकर 'भील प्रदेश' बनाने की मांग कर रहा है। रैली में आदिवासी महिला मेनका डामोर ने कहा कि आदिवासी हिंदू नहीं हैं और उन्होंने आदिवासी महिलाओं से मंगलसूत्र न पहनने और सिंदूर न लगाने को कहा।

उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी और हिंदू समुदाय की संस्कृति अलग-अलग है। उन्होंने कहा, मैं न तो मंगलसूत्र पहनती हूं और न ही सिंदूर लगाती हूं। मैं कोई व्रत भी नहीं रखती हूं। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों को भगवान का घर बना दिया गया है, जबकि इसका इस्तेमाल सिर्फ बच्चों को शिक्षा देने के लिए किया जाना चाहिए। डामोर स्कूलों में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का जिक्र कर रही थीं। उन्होंने कहा, हमारे स्कूलों को देवी-देवताओं का घर बना दिया गया है। यह शिक्षा का मंदिर है, वहां कोई उत्सव नहीं होना चाहिए।

धार्मिक उन्माद की राजनीति को देश में स्वीकार नहीं किया जाएगा : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में धार्मिक उन्माद की राजनीति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, भाजपा हमेशा धर्म की राजनीति करती रही है परन्तु भगवान के नाम पर जनता को गुमराह करना एवं नफरत फैलाना धर्म नहीं, अधर्म है। उन्होंने कहा, पिछले 10 साल में भाजपा ने देश में धार्मिक उन्माद बढ़ाने का काम बहुत सुनियोजित तरीके से किया। परन्तु तथ्य यह है कि हाल के लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनावों में अधिकतर धार्मिक नगरियों जैसे अयोध्या,में भाजपा की हार हुई है।

विधानसभा ने जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की अनुदान मांगों को ध्वनिमत से पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की अनुदान मांगें बृहस्पतिवार रात ध्वनिमत से पारित कर दी गईं।

इसके साथ ही सामाजिक न्याय व आधिकारिता विभाग की अनुदान मांगें भी ध्वनिमत से पारित कर दी गईं। इससे पहले जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा अल्प अवधि में कई महत्वपूर्ण कार्य किये गए हैं तथा कई नयी योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र में सामुदायिक वनाधिकार संभावित क्षेत्रों के आकलन के लिए 'एटलस' तैयार की जा रही है। इसके माध्यम से ऐसे संभावित क्षेत्रों में सामुदायिक वनाधिकार पट्टे जारी कर विकास कार्य किये जा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि सामुदायिक वनाधिकार क्षेत्रों में विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए गोविन्द गुरु जनजाति क्षेत्र विकास योजना प्रारम्भ करने की घोषणा की गई है। चर्चा के बाद सदन ने जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी। सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की अनुदान मांगों को भी ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने मांगों पर हुई बहस का जवाब दिया। हालांकि उनकी एक टिप्पणी पर कांग्रेस के विधायकों ने आपत्ति जताते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने मंत्री की टिप्पणी को असंसदीय बताते हुए कार्यवाही से हटाने की मांग की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि कुछ भी असंसदीय होगा तो वह उसे हटवा देंगे। लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने नारेबाजी के बाद सदन से बहिर्गमन कर दिया। इससे पहले, मांगों पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने ओमप्रकाश वाल्मीकि की कविता 'ठाकुर का कुआं' पढ़ते हुए कहा कि 'जो भी इस बजट को पढ़ेगा वो इस कविता को महसूस करेगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में कुछ भी नहीं है 'सब ठाकुर का है।' इस पर सत्तापक्ष के विधायकों ने आपत्ति जताई।

उप्र सरकार ने 'कम्युनल कन्फ्यूजन' को दूर किया : मुख्तार अब्बास नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और श्रद्धा को ध्यान में रखते हुए जो दिशानिर्देश जारी किया है, उससे 'कम्युनल कन्फ्यूजन' (सांप्रदायिक संशय) दूर हुआ है।

इससे पहले, नकवी ने मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर भोजनालयों के मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि आस्था का सम्मान होना चाहिए, पर अस्पृश्यता को संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि कुछ अति-उत्साही अधिकारियों के आदेश ''हड़बड़ी में गड़बड़ी वाली अस्पृश्यता की बीमारी'' को बढ़ावा दे सकते हैं।

मुजफ्फरनगर जिले में 240 किलोमीटर लंबे कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी होटलों, ढाबों और ठेलों सहित भोजनालयों को अपने मालिकों या इन दुकानों पर काम करने वालों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश के कुछ दिनों बाद शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य के लिए ऐसा ही आदेश जारी करने का फैसला किया।

नकवी ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ''स्थानीय स्तर के प्रशासन के एक दिशानिर्देश से पैदा हुए भ्रम को राज्य सरकार ने दूर कर कांवड़ यात्रा और यात्रियों की सुरक्षा, सम्मान, श्रद्धा हेतु सभी के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिया है। उन्होंने कहा, ''यह आदेश कांवड़ यात्रा की पवित्रता, श्रद्धा और सुरक्षा के लिए है। इसपर किसी भी तरह का 'कम्युनल कन्फ्यूजन' (सांप्रदायिक संशय) पैदा करने की गुंजाइश नहीं है। समाज की सुरक्षा और सद्भाव हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है।''नकवी ने कहा, ''किसी भी तरह का सांप्रदायिक विवाद मुल्क, मजहब, मानवता के लिए ठीक नहीं है। सद्भाव की विरासत पर सांप्रदायिक सियासत सफल नहीं होनी चाहिए।''

मौसम विभाग ने ओडिशा में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया

भुवनेश्वर/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी में कम दबाव वाले क्षेत्र के गंभीर अवदाब में तब्दील होने पर शुक्रवार को ओडिशा में अगले चार दिनों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी के अनुसार, सुबह 8:30 बजे अवदाब का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित था, जो पुरी (ओडिशा) से लगभग 70 किमी दक्षिण-पूर्व में, गोपालपुर (ओडिशा) से 130 किमी पूर्व में, पारादीप (ओडिशा) से 130 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में और कलिंगपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 240 किमी पूर्व-उत्तरपूर्व में स्थित था।

बुलेटिन में कहा गया है, ''इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और शनिवार (20 जुलाई) की सुबह पुरी के पास ओडिशा तट को पार करने की संभावना है। इसके बाद यह ओडिशा और छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और 24 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर हो जाएगा।'' आईएमडी ने कहा अगले 48 घंटे के दौरान बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और इससे सटे पश्चिम-मध्य तथा उत्तरी आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तूफानी हवाएं चलने का अनुमान है।

असम में अगले महीने तीन करोड़ पौधे लगाए जाएंगे : मुख्यमंत्री हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए एक से 15 अगस्त के बीच तीन करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य ने तीन से चार साल की अवधि के दौरान 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिससे दो प्रतिशत तक वन क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''इस साल हमने एक अगस्त से 15 अगस्त तक पूरे राज्य में तीन करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। पिछले साल एक दिन में एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था, लेकिन हमने 1.12 करोड़ पौधे लगाए और उनमें से 90 प्रतिशत पौधे फूल-फल रहे हैं।''

शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने 'अमृत वृक्ष आंदोलन' अभियान को साकार करने के लिए सेना, वायु सेना, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों और गैर सरकारी संगठनों सहित विभिन्न एजेंसियों और केंद्रीय बलों को शामिल किया है।

उन्होंने कहा, ''हमने तीन से चार साल में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। यदि हम ऐसा कर पाए तो पांच-छह वर्षों में हमारे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव नजर आएगा।''

मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बताया कि उनकी सरकार राज्य के विभिन्न हिस्सों में वनों की कटाई करने से बंजर हुई जमीन पर वृक्षारोपण अभियान चला रही है।

अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों से प्रवेश के लिए दलाल लेते हैं 10,000-20,000 रुपए : मेघालय का संगठन

शिलांग/भाषा। सामाजिक संगठन हिनीवट्रेप अचिक नेशनल मूवमेंट (एचएएनएम) ने मेघालय के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आई. नोंग्रांग से मुलाकात कर दावा किया कि राज्य में दलाल सीमा के क्षतिग्रस्त या बिना बाड़ वाले हिस्सों से बांग्लादेशी प्रवासियों को अवैध रूप से प्रवेश कराने के लिए प्रति व्यक्ति 10,000 से 20,000 रुपये ले रहे हैं। एचएएनएम के अध्यक्ष लामफ्रांग खरबानी ने 'पीटीआई भाषा' से बात करते हुए कहा कि संगठन की एक टीम ने बृहस्पतिवार को डीजीपी से मुलाकात की और सीमा के कुछ हिस्सों के माध्यम से राज्य में बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध प्रवेश को रोकने के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने दावा किया कि दलाल बांग्लादेशी नागरिकों के प्रवेश की सुविधा के लिए प्रति व्यक्ति 10,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक वसूल रहे हैं। मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा बिना बाड़ के रह गया है। इसका कारण खड़ी चढ़ाई, नदियों का प्रवाह और जंगली जानवरों की आवाजाही के लिए छोड़े गए गलियारे हैं। गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध प्रवेश को लेकर गंभीर चिंताएं हैं और सरकार यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी कि ऐसी अवैध गतिविधियां तुरंत बंद हों।

न संगठन बड़ा होता है, न सरकार, सबसे बड़ा होता है जनता का कल्याण : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के 'संगठन को सरकार से बड़ा' बताने वाले बयान पर तंज कसते हुए शुक्रवार को कहा कि न संगठन बड़ा होता है, न सरकार, सबसे बड़ा जनता का कल्याण होता है।

सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में कहा, ''न संगठन बड़ा होता है, न सरकार। सबसे बड़ा होता है जनता का कल्याण।'' उन्होंने इसी पोस्ट में कहा,''दरअसल संगठन और सरकार तो बस साधन होते हैं, लोकतंत्र में साध्य तो जनसेवा ही होती है।'' यादव ने लिखा, ''जो साधन की श्रेष्ठता के झगड़े में उलझे हैं, वे सत्ता और पद के भोग के लालच में है, उन्हें जनता की कोई परवाह ही नहीं है। भाजपाई सत्तान्मुखी है, सेवान्मुखी नहीं ।'' इसके पहले मौर्य ने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि संगठन' सरकार से बड़ा है।

मौर्य के कार्यालय के आधिकारिक हैंडल से किये गये इस पोस्ट में उपमुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया, ''संगठन सरकार से बड़ा है, कार्यकर्ताओं का दर्द मेरा दर्द है। संगठन से बड़ा कोई नहीं, कार्यकर्ता ही गौरव हैं।'' यह वाक्य रविवार को लखनऊ में भाजपा की कार्यसमिति की बैठक के दौरान मौर्य के संबोधन का एक अंश है। इस पोस्ट की पृष्ठभूमि में कार्यसमिति बैठक की तस्वीर भी थी। यह पोस्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कथित तल्खी के बीच मौर्य द्वारा नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के एक दिन बाद आया। हालांकि अभी तक न तो भाजपा और न ही मौर्य ने इस मुलाकात के बारे में कोई बयान दिया है। सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार यादव ने शुक्रवार को यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में डॉ0 लोहिया सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा में सत्ता संघर्ष छिड़ा हुआ है, जिसके कारण राज्य में प्रशासनिक व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो रही है। उन्होंने कहा, ''थाना- तहसील और दूसरे विभागों में जनता भटक रही है, बिना रिश्वत कोई काम नहीं हो रहा है। जनता त्रस्त है। भ्रष्टाचार अपने चरम पर है।'' यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रदेश में संभावित 10 विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए आगाह करते हुए कहा, ''भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करने में लगी है और उसके मातृ संगठन आरएसएस का एजेंडा लोकतंत्र की आड़ में तानाशाही थोपना है।''

2006 के नियम की आड़ में झूठ बोला जा रहा है, हिंदू-मुस्लिम की राजनीति मंजूर नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2006 में खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए बने कानून की आड़ लेकर हिंदू-मुस्लिम की राजनीति हो रही है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय के नियम को लेकर झूठ बोला जा रहा है।

मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अभिषेक सिंह ने कहा था, ''जिले में कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यहां 240 किलोमीटर लंबा कांवड़ मार्ग है। मार्ग पर स्थित सभी होटलों, ढाबों और ठेले वालों से अपने मालिकों या फिर वहां काम करने वालों के नाम प्रदर्शित करने को कहा गया है। यह इसलिए जरूरी है, ताकि किसी कांवड़िये के मन में कोई भ्रम न रहे।'' मेरठ के बाट-माप विभाग के प्रभारी वी के मिश्रा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुसार, प्रत्येक रेस्तरां या ढाबा संचालक के लिए फर्म का नाम, अपना नाम और लाइसेंस नंबर लिखना अनिवार्य है। उनके अनुसार 'जागो ग्राहक जागो' योजना के तहत नोटिस बोर्ड पर मूल्य सूची भी लगाना अनिवार्य है। खेड़ा ने वीडियो जारी कर कहा, ''संप्रग सरकार के दौरान खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता को लेकर जो नियम बने थे, उनकी आड़ में छिपकर आप कांवड़ यात्रा के मार्ग पर हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करेंगे, यह कतई मंजूर नहीं होगा।'' उनका कहना था,''संप्रग सरकार के समय बने नियम के पीछे मत छिपिए। वह नियम सबके लिए लागू था। उसमें सबको अपना लाइसेंस रखना था ताकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर सरकार की एजेंसियों द्वारा निगरानी रखी जा सके। उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। अगर आपको यही करना था तो पूरे देश में करिए जिसके तहत सब लाइसेंस रखते हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''कावंड़ मार्ग में फल बेचने वालों को भी नाम लिखना पड़ेगा, यह संप्रग सरकार के समय का नियम नहीं है। ये गलत बोल रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं।''

'प्रतीक्षा के बावजूद राहुल मेरे पिता से नहीं मिले, इसके बाद हमें कांग्रेस का साथ छोड़ना पड़ा'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा है कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले उनके पिता रामविलास पासवान ने राहुल गांधी से मिलने के लिए महीनों तक प्रयास किया, लेकिन राहुल गांधी ने इससे इनकार कर दिया, जिसके बाद उनकी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया। राहुल गांधी के बारे में उनकी राय के बारे में पूछे जाने पर पासवान ने 'पीटीआई' के मुख्यालय में समाचार एजेंसी के संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि कांग्रेस नेता ने हाल के दिनों में अपनी जिम्मेदारी को ''कुछ अधिक गंभीरता से'' लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का सदन में पिछले सत्र के दौरान दिया गया भाषण अशोभनीय था। चिराग पासवान ने 10 साल के पहले राजनीतिक घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए इस बात का स्मरण किया कि वह और उनके पिता तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) में अपनी पार्टी के भविष्य पर चर्चा करने के लिए अक्सर सोनिया गांधी से मिलते थे तथा उसी दौरान सोनिया गांधी ने रामविलास पासवान को राहुल गांधी से मिलने का सुझाव दिया।

बिहार सरकार ने राज्य की पहली 'फिल्म प्रोत्साहन नीति' को मंजूरी दी

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने शुक्रवार को अपनी पहली 'फिल्म प्रोत्साहन नीति' को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य फिल्म निर्माताओं को पूर्ण संस्थागत समर्थन प्रदान करना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव (मंत्रिमंडल सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने संवाददाताओं को बताया, कैबिनेट ने बिहार की नई फिल्म प्रोत्साहन नीति को मंजूरी दे दी है। बिहार में फिल्म निर्माण की काफी संभावनाएं और कई अवसर हैं। यह प्रस्ताव राज्य सरकार के कला, संस्कृति और युवा मामलों के विभाग से आया है। कला, संस्कृति एवं युवा मामलों के विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बाम्हरा ने बताया कि नई नीति के तहत फिल्म निर्माताओं को बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली फिल्में बनाने के लिए सहायता मिलेगी।

2047 में खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य : खेलमंत्री मांडविया

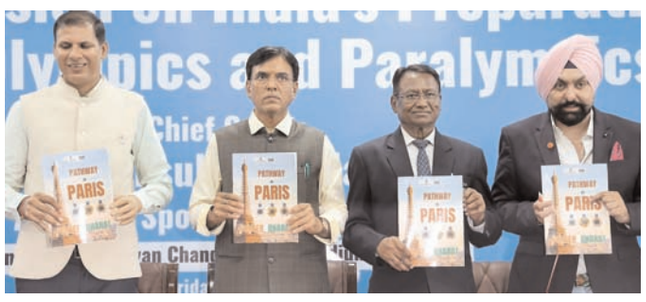

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नये भारत के निर्माण में खेलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि 2047 में आजादी की सौवीं सालगिरह पर भारत का खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य रहेगा ।

खेलमंत्री ने कहा ,'' पिछले दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है और आजादी की सौवीं सालगिरह पर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है । जब देश कोरोना लॉकडाउन में था , तब सरकार 2047 का रोडमैप तैयार कर रही थी । नवनिर्माण के इस रोडमैप का हिस्सा खेल भी है और जब हम विकसित राष्ट्र होंगे तो खेलों में भी शीर्ष पांच में रहेंगे ।'' उन्होंने कहा ,'' भारत विविधताओं का देश है और यहां खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है । प्रतिभा को तलाशकर उसे इको सिस्टम में लाने और मौके देने की जरूरत भर है । मैने कोरोना के दौरान अनुभव किया है कि भारत में 'मैन पावर' और 'ब्रेन पावर' की कमी नहीं है और उसके दम पर ही हमने कामयाबी पाई है ।''पिछली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे मांडविया ने कहा ,'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में वह इको सिस्टम तैयार हुआ है जिसमें विभिन्न कार्य योजनाओं के जरिये खिलाड़ियों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में मदद की जा रही है । मैं पेरिस ओलंपिक में भाग लेने जा रहे सभी खिलाड़ियों को शुभकामनायें देता हूं ।'' खेलमंत्री ने पेरिस ओलंपिक और पैरालम्पिक के लिये भारत की तैयारियों को लेकर दिल्ली खेल पत्रकार संघ द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर आयोजित परिचर्चा कहा ,'' पेरिस ओलंपिक में पदकों की संभावना को लेकर मैं कोई आंकड़ा तो नहीं दूंगा लेकिन उम्मीद है कि पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन होगा । हमने टोक्यो में सात पदक जीते थे और अब उससे आगे जायेंगे ।''

कीर्ति के तहत 100 दिन में एक लाख खिलाड़ियों की पहचान की जाएगी: मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कीर्ति परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसका लक्ष्य 100 दिन के अंदर एक लाख युवा खिलाड़ियों की पहचान करना है। खेल मंत्री का मानना है कि खेलो इंडिया उदीयमान प्रतिभा पहचान (कीर्ति) भारत को 2047 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

मांडविया ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम के दूसरे चरण का शुभारंभ करने के बाद कहा, ''भारत विविधता और संभावनाओं से भरा देश है। भारत में कभी बुद्धि, जनशक्ति या प्रतिभा की कमी नहीं रही है।'' उन्होंने कहा,''केवल शहर कि नहीं, दूर दराज के क्षेत्रों जैसे उत्तर-पूर्व, तटीय, हिमालयी और आदिवासी क्षेत्रों में भी अच्छे खिलाड़ी हो सकते हैं।'' कीर्ति कार्यक्रम के इस चरण में खेलो इंडिया योजना के सभी 20 खेल शामिल होंगे। कीर्ति का पहला चरण इस साल 12 मार्च को चंडीगढ़ में शुरू किया गया था।

प्रधानमंत्री ने नौकरियों पर 'झूठ बोलकर' युवाओं के जले पर नमक छिड़का : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आठ करोड़ नौकरियों' का झूठ बोलकर देश के युवाओं के जले पर नमक छिड़का है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गत शनिवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन से चार वर्ष में देश में आठ करोड़ नई नौकरियां उपलब्ध हुईं जिसने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों की बोलती बंद करा दी। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, नौकरियों पर एक के बाद एक झूठ बोलकर आप युवाओं के जले पर नमक छिड़क रहें हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''ऐसा क्यों है कि आपने 10 वर्षों में 20 करोड़ नौकरियों का वादा करके 12 करोड़ से ज्यादा नौकरियां छीन ली? रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार 2012 और 2019 के बीच में रोजगार में 2.1 करोड़ की वृद्धि हुई पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट कहती है कि ये वृद्धि केवल दो लाख है, जबकि दोनों की ही रिपोर्ट का मुख्य स्त्रोत सरकारी 'पीएलएफएस' सर्वे ही है। तो फिर सच्चाई क्या है?''

कोलकाता हवाईअड्डे पर 'सर्वर' में खराबी से परिचालन प्रभावित, 25 उड़ानें रद्द

कोलकाता/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में वैश्विक तकनीकी व्यवधान के कारण अपराह्न तीन बजे तक कोलकाता आने-जाने वाली कम से कम 25 उड़ानें रद्द कर दी गयी हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि विभिन्न एयरलाइनों की कम से कम 14 प्रस्थान और 11 आगमन उड़ानें रद्द कर दी गयी हैं। कोलकाता में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) अधिकारियों ने इस संबंध में यात्रियों के लिए परामर्श भी जारी किया है। एएआई अधिकारियों ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, दुनिया भर में तकनीकी व्यवधान की वजह से सिस्टम प्रभावित होने के कारण, पूरे देश में उड़ान संचालन बाधित है। इससे यात्रा और उड़ान कार्यक्रम प्रभावित होने की आशंका है।

भारत की कप्तानी से नजरअंदाज किए जाने के बाद हार्दिक का मुंबई इंडियंस के नेतृत्व करने पर संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले हार्दिक पंड्या के लिए राष्ट्रीय टीम में चीजें काफी बदल गयी है। टी20 विश्व कप के दौरान भारत के उपकप्तान रहे हार्दिक को श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम की कमान नहीं सौंपी गयी। सूर्यकुमार यादव खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे।

भारत की कप्तानी के दायित्व से मुक्त होने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस इस हरफनमौला खिलाड़ी को कप्तान बनाए रखेगी। मुंबई की फ्रेंचाइजी ने आईपीएल के सबसे सफल कप्तान रोहित शर्मा की जगह पिछले सत्र से पहले हार्दिक को कप्तान बनाया था। टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद रोहित भारतीय खेल जगत में महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये है। आईपीएल की इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में यह देखना होगा कि रोहित मुंबई की टीम के साथ बने रहेंगे या नहीं। हार्दिक और रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह भी टीम की अगुवाई करना चाहते हैं।

आईपीएल संचालन समिति ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि वे कितने खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति देंगे। इस बात की संभावना है कि फ्रेंचाइजी को एक विदेशी सहित चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति मिले। फ्रेंचाइजी टीमों को अगले कुछ वर्षों के लिए मजबूत टीम बनाने पर कुछ कठोर फैसले लेने होंगे। गुजरात टाइटंस के लिए कमाल करने वाले हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। गुजरात की टीम में हार्दिक के मार्गदर्शन के लिए आशीष नेहरा मौजूद थे लेकिन मुंबई के साथ उन्हें कोच मार्क बाउचर से उस तरह का मार्गदर्शन नहीं मिला। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने से हार्दिक की कप्तान बनने की संभावनाएं प्रभावित हुई है। इसमें हालांकि अजीत अगरकर के नेतृत्व वाली चयन समिति का भी अहम योगदान रहा जिसका मानना था कि एक कप्तान के तौर पर हार्दिक रणनीतिक तौर पर अच्छे नहीं रहे है। युवा खिलाड़ी भी उनसे ज्यादा सूर्यकुमार यादव के साथ सहज रहेंगे। हार्दिक के लिए खुद को अहम बनाये रखने के लिए श्रीलंका में खेले जाने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

देश को कुछ देने के जज्बे से खेले हॉकी टीम, पेरिस में पदक पक्का : अशोक ध्यानचंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय हॉकी के ओलंपिक में गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए पूर्व धुरंधर अशोक ध्यानचंद ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में कठिन पूल के बावजूद भारत की तैयारी इतनी पुख्ता है कि पदक पक्का लग रहा है । टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर 41 साल का इंतजार खत्म करने वाली भारतीय टीम को पेरिस में पूर्व चैम्पियन अर्जेंटीना, बेल्जियम और आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों के पूल में जगह मिली है ।

अशोक कुमार ने पेरिस ओलंपिक और पैरालम्पिक की तैयारियों पर दिल्ली खेल पत्रकार संघ और भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित परिचर्चा में कहा ,'' मैं टीम से इतना ही कहूंगा कि पूल पर ध्यान नहीं दें और मैच दर मैच प्रदर्शन पर फोकस रखें । प्रो लीग में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन यह टीम उस मुकाम पर है कि अपना दिन होने पर किसी को भी हरा सकती है ।'' उन्होंने कहा ,'' कई खिलाड़ियों का यह आखिरी ओलंपिक है और पदक जीतने के लिये वे कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे । कांस्य को अब स्वर्ण पदक में बदलने की जरूरत है ।'' विश्व कप 1975 में भारत की खिताबी जीत के नायक रहे अशोक कुमार ने कहा ,'' मैने 1972 में पहला ओलंपिक खेला तब खेल मंत्रालय नहीं होता था । लेकिन तब हम सुविधाओं के बारे में सोचते ही नहीं थे । बस देश के लिये खेलने और पदक जीतने का जज्बा रहता था ।''

सुविचार

खटकता तो उनको हूँ साहब, जहाँ में झुकता नहीं, बाकी जिनको अच्छा लगता हूँ वो मुझे कही झुकने नहीं देते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनसंख्या नियंत्रण : प्रभावी नीति बनाएं

भारत की जनसंख्या को लेकर देश-विदेश की शोध संस्थाओं द्वारा जारी किए जा रहे आंकड़ों का एक ही सार है- अब सरकार को इस संबंध में गंभीरता दिखाते हुए ठोस उपाय करने होंगे। राजस्थान में तो जनसंख्या नियंत्रण नीति के बारे में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बयानों से सियासत गरमाई हुई है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। हर राज्य में समय-समय पर यह मुद्दा चर्चा में रहा है। अब लोग सोशल मीडिया पर लिखने लगे हैं कि अगर देश को विकसित बनाना है तो 'जनसंख्या नियंत्रण एवं संतुलन' की प्रभावी नीति अपनानी ही होगी। इस समय हालात ऐसे हैं कि सरकार अरबों रुपए खर्च कर मकान व अस्पताल बनाती है, लेकिन लोगों की भारी तादाद के सामने ये सुविधाएं नाकाफी होती हैं। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों, स्टाफ और बेड की कमी का तो जिक्र किया जाता है, लेकिन जनसंख्या वृद्धि की ओर ध्यान नहीं दिया जाता। अगर सरकार इन सुविधाओं में कुछ बढ़ोतरी कर भी दे तो पांच साल बाद ये नाकाफी ही होंगी। बसों, ट्रेनों में भारी भीड़ के कारण यात्रा करना मुश्किल होता जा रहा है। जनरल डिब्बों की हालत किसी से छिपी नहीं है। रोजगार की उपलब्धता की बात करें तो सरकारों के पास कोई जवाब नहीं होता। एक-एक पद के लिए हज़ारों परीक्षार्थी मैदान में होते हैं। हर साल स्कूलों-कॉलेजों से लाखों युवा उत्तीर्ण होकर रोजगार की उम्मीद में आवेदन करते हैं, लेकिन कामयाबी सबको नहीं मिलती। कई युवाओं की तो पूरी जवानी आवेदन करने और परीक्षाएं देने में बीत जाती है। क्या जनप्रतिनिधियों को इन सभी मुद्दों को प्राथमिकता पर लेते हुए जनसंख्या नियंत्रण पर गंभीरता से चर्चा नहीं करनी चाहिए?

जरूर करनी चाहिए, लेकिन बात जब जनसंख्या नियंत्रण एवं संतुलन की होती है तो कुछ नेता इसे 'किसी और ही दिशा' में ले जाने की कोशिश करने लगते हैं। प्राय: खुद को बहुत प्रगतिशील व बुद्धिजीवी की तरह पेश करने वाले नेता भी इस मुद्दे पर खुलकर बोलने से बचते हैं। आज सर्वसमाज तक यह संदेश पहुंचाना होगा कि देश के पास संसाधन सीमित हैं, जमीन सीमित है, पानी सीमित है, अन्न सीमित है, नौकरियां सीमित हैं, सुविधाएं सीमित हैं ...। अगर जनसंख्या इसी तरह बढ़ती रही तो भविष्य में अत्यंत गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। आज भी स्थिति चिंताजनक है। सरकार अपनी शक्ति व सामर्थ्य से जितने मकान बनाएगी, जितना राशन देगी, जितने कॉलेज और अस्पताल खोलेगी, जितनी ट्रेनें-बसें चलाएगी ... ये सुविधाएं कुछ साल बाद नाकाफी होंगी ही होंगी। अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण सभी लोगों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। सभी युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरियां नहीं मिल रही हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है। ऐसे में गंभीर असंतोष पैदा हो सकता है। जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे चर्चा करने के लिए बैठें और ऐसी जनसंख्या नियंत्रण नीति बनाएं, जिससे भविष्य में हालात बेहतर हों। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि 'अगर भारत को विकसित देश बनाना है तो यहां भी चीन की तरह एक संतान नीति लागू कर देनी चाहिए।' चीन ने जिस ढंग से नीति बनाई और लागू की, उसके गंभीर दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं। हमें भारत की सामाजिक आवश्यकताओं एवं सांस्कृतिक मान्यताओं को ध्यान में रखकर ही उपाय करने होंगे। कुछ राजनीतिक दल इस संबंध में चर्चा करने से इसलिए भी हिचकते हैं, क्योंकि उन्हें अपने वोटबैंक के नाराज़ होने की आशंका होती है। वास्तव में आज जनता काफी जागरूक हो चुकी है। लोग चाहते हैं कि उन्होंने जो परेशानियां उठाईं, वे उनकी संतानों को न उठानी पड़ें ... उन्हें पढ़ाई-लिखाई, भोजन, आवास, चिकित्सा, परिवहन, रोजगार और सभी तरह की गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिलें। आज जो राजनीतिक दल जनसंख्या नियंत्रण एवं संतुलन की बात करेगा, उसे जनसमर्थन जरूर मिलेगा।

ट्वीटर टॉक

सामाजिक सरोकारों से जुड़ी विप्र सेना के स्थापना दिवस की सभी विप्र बंधुओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। समाज सेवा में सदैव सामाजिक संगठन के तौर पर विप्र सेना ने ऐसे अनेकों कार्य किए जिन्हें समाज हितार्थ सदैव याद रखा जाएगा।

-वसुंधरा राजे

1857 की क्रांति के नायक अमर शहीद मंगलपांडे जी की जयंती पर सादर नमन। अंग्रेजी शासन के अन्याय, अत्याचार एवं भेदभाव के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले इस देशभक्त के बलिदान के प्रति राष्ट्र सदैव कृतज्ञ रहेगा तथा उनकी गौरवगाथा युवाओं को आंदोलित करती रहेगी।

-ओम बिरला

आज मुख्यमंत्री कार्यालय में कोटा स्थित कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के संबंध में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण व राजस्थान सरकार के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए व परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सात्विक उपचार

जैन गुरु बांकेई ने जब जनसाधारण के लिए ध्यान साधना के शिविर लगाने शुरु किये तो जापान के कई हिस्सों से लोग उसमें भाग लेने के लिए आने लगे। ऐसे ही एक सत्र में एक शिष्य चोरी करता हुआ पकड़ा गया। लोगों ने इसकी सूचना बांकेई को दी। बांकेई ने नजरअंदाज कर दिया। वह शिष्य दोबारा चोरी करते हुए पकड़ा गया। दूसरी बार भी बांकेई ने कोई ध्यान नहीं दिया। शिविर में भाग लेने वाले शिष्यों ने सम्मिलित रूप से एक पत्र लिखा और बांकेई को बताया कि यदि चोर को शिविर से बाहर नहीं निकाला गया तो वे सभी शिविर का त्याग कर देंगे। पत्र को पढ़कर बांकेई ने सभी को बुलाया और उनसे कहा, 'आप सभी बुद्धिमान व्यक्ति हैं। आप को सही और गलत की पहचान है। यदि आप यहां नहीं पढ़ेंगे तो आपको कहीं और पढ़ने का अवसर मिल ही जाएगा, लेकिन आपके ही बीच आपका यह बेचारा भाई है, जिसे अच्छे और बुरे कर्मों का बोध नहीं है। यदि मैं उसे शिविर से निकाल दूं तो वह कहां जायेगा? कौन उसे सन्मार्ग पर लायेगा? इसलिए मैं तो उसे यहां से नहीं निकाल सकता। यदि आप सभी चाहें तो शिविर छोड़कर जा सकते हैं।'

सामयिक

याद रखना, भूल ना जाना वतन पर मरने वालों को

आर.के. सिन्हा

अनुज नैयर की शौर्यगाथा को किसने नहीं सुना? राजधानी के दिल्ली पब्लिक स्कूल, धौला कुआं के छात्र रहे कैप्टन अनुज नैयर जाट रेजिमेंट में थे। कैप्टन अनुज नायर ने कारगिल जंग में टाइगर हिल्स सेक्टर में अपने साथियों के घायल होने के बाद भी मोर्चा सम्भाले रखा था। उन्होंने दुश्मनों को धूल में मिलाकर इस सामरिक चोटी टाइगर हिल्स को शत्रु के कब्जे से मुक्त करवाया था। अब बात करें कैप्टन हनीफुद्दीन की। कैप्टन हनीफुद्दीन राजपूताना राइफल्स के अफसर थे। कैप्टन हनीफुद्दीन ने कारगिल की जंग के समय तुरतुक में शहादत हासिल की थी। कारगिल के तुरतुक की ऊंची बर्फ से ढंकी पहाड़यों पर बैठे दुश्मन को मार गिराने के लिए हनीफुद्दीन ऊपर से हो रहे गोलाबारी के बावजूद आगे बढ़ते रहे थे।

अब कुछ दिनों के बाद ही 26 जुलाई को सारा देश कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाएगा। उस युद्ध में भारतीय सेना ने सभी बाधाओं को पार करते हुए भारी बलिदान देते हुये भी कारगिल क्षेत्र के बर्फीले पहाड़ों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ दिया था। यह भारत का पहला टेलीविज़न युद्ध भी था जिसके दौरान टोलोलिंग और टाइगर हिल जैसे अज्ञात निर्जन शिखर सारे देश की जुबान पर आ गए थे। कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच हुआ था। परवेज मुशर्रफ की सरपरस्ती में पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेज़ों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हो गया था कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्ज़े वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार घुसपैठ को छोड़, अपने वतन में वापिस जाने को मजबूर किया। कारगिल युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ था और भारतीय सेनाओं को पहाड़ियों के नीचे से लड़ने में काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था। अंततः 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इसलिए 26 जुलाई हर वर्ष कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस करीब दो महीने तक चले युद्ध में भारतीय सेना ने लगभग 527 से अधिक वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। उन शहीदों के नाम कोई भी राजधानी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जाकर देख सकता हैं। उस जंग में दुश्मन के दांत खट्टे करने वाले शहीद कैप्टन खिलाफ 1948, 1965, 1975 और 1999 में जंग लड़ी। ये सारी लड़ाईयां हम पर थोपी गईं। हमने तो कभी आक्रमण किया ही नहीं। 1987 से 19990 तक श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान भारतीय शांति सेना के शौर्य को भी नहीं भुलाया जा सकता है। 1948 में 1,110 जवान, 1962 में सबसे ज्यादा 3,250 जवान, 1995 में 3,64 जवान, श्रीलंका में 1,157 जवान और 1999 में 522 जवान शहीद हुए। हमारी सेना में ऐसे जवानों की भी कमी नहीं है जो अलगाववादियों को पस्त करते हुए शहीद हुए।

इस बीच, पिछले सप्ताह जम्मू कश्मीर में आतंकियों से लड़ते हुए शहीद पांचों जवानों के शव विगत मंगलवार को देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट लाए गए। उत्तराखण्ड की समृद्ध सैन्य परंपरा को अपने अदम्य साहस और पराक्रम से गौरवान्वित करने वाले अमर शहीदों की शहादत को कोटिशः नमन औरअश्रुपूरित श्रद्धांजलि। इन शहीदों में जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच जवान शहीद और पांच अन्य घायल हो गए थे। शहीद होने वाले जवानों में सूबेदार आनंद सिंह, हवलदार कमल सिंह, राइफलमैन अनुज नेगी, राइफलमैन आदर्श नेगी, नायक विनोद सिंह शामिल हैं। गुस्ताखी माफ, कभी-कभी तो लगता है कि रणबांकुरों को लेकर समूचे भारतीय समाज का रुख ठंडा ही रहा है। इससे अधिक निराशाजनक बात क्या हो सकती है कि पाठ्यपुस्तकों में उन युद्धों पर अलग से अध्याय तक नहीं हैं, जिनमें हमारे जवानों ने जान की बाजी लगा दी। हमारे बच्चे आज भी मुगलों और अंग्रेजों के इतिहास ही पढ़ रहे हैं। हां, हम गणतंत्र दिवस और स्वाधीनता दिवस के मौके पर जवानों को याद करने की रस्म अदायगी जरूर कर लेते हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि पंजाब के लुधियाना शहर के मुख्य चौराहे पर 1971 की जंग के नायक शहीद फलाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेंखो की आदमकद मूर्ति के नीचे लगी पट्टिका को ही उखाड़ दिया गया। लुधियाना सेखों का गृहनगर था। उन्हें अदम्य साहस और शौर्य के लिए मरणोप्रांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। यह सिलसिला यहीं नहीं थम जाता। मोदीनगर (उत्तर प्रदेश) में 1965 युद्ध के नायक शहीद मेजर आशा राम त्यागी की मूर्ति देखकर तो किसी भी सच्चे भारतीय का कलेजा फटने लगेगा। इस तरह से दिल्ली सरकार ने भी शायद ही कभी कोशिश की हो कि 1971 की जंग के नायक अरुण खेत्रपाल के नाम पर किसी सडक़ या अन्य स्थान का नामकरण किया जाए।

मुगल और अंग्रेज शासकों के नाम पर सड़कों की भरमार है। कौन कहता है कि दिल्ली बेदिल है। ये अपने शूरवीरों को याद रखती है। अब बातें-याद करें मेजर (डॉ.) अश्वनी कान्वा की। वे भारतीय शांति रक्षा सेना (आईपीकेएफ) के साथ 1987 में जाफना, श्रीलंका गए थे। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के स्टुडेंट रहे थे मेजर अश्वनी कान्वा। हमेशा टॉपर रहे। मेजर कान्वा 3 नवंबर,1987 को अपने कैंप में घायल भारतीय सैनिकों के इलाज में जुटे हुए थे। उस मनहूस दिन शाम के वक्त उन्हें पता चला कि हमारे कुछ जवानों पर कैंप के बाहर ही हमला हो गया है। वे फौरन वहां पहुंचे। वे जब उन्हें फर्स्ट एड दे रहे थे तब छिपकर बैठे लिट्टे के आतंकियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। अफसोस कि दूसरों का इलाज करने वाले डॉ. मेजर कान्वा को फर्स्ट एड देना वाला कोई नहीं था। बेहद हैंडसम मेजर अश्वनी की शादी के लिए लड़की ढूंढी जा रही थी जब वे शहीद हुए। वे तब 28 साल के थे। आपको इस तरह के न जाने कितने ही उदाहरण मिल जाएँगे। ज़रूरत है कि वतन के लिए अपनी जान का नजराना देने वालों को सदा याद रखे भारत।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

गुरुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का दिन गुरु पूर्णिमा

अखिलेश आर्येन्दु

मोबाइल : 8178710334

वैदिक धर्म, संस्कृति और साहित्य में अनेक पर्वों, उत्सवों और त्यौहारों को मनाने की खास परंपरा रही है। वर्ष के बारह महीनों में ये उत्सव और पर्व मानव जीवन को उल्लसित और आंनदित करने का कार्य करते हैं। ज्ञान, विद्या, धर्म और सांस्कृतिक सम्बन्धों में ये पर्व और उत्सव अपनी खास अहमियत रखते हैं। सबसे अहम बात यह है कि ये पर्व व उत्सव किसी न किसी खास विषय से जुड़े हुए हैं। गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा भी एक ऐसा ही पर्व और उत्सव है जो विद्या देने वाले गुरु और विद्या ग्रहण करने वाले शिष्य के पावन सम्बन्धों की पावन अभिव्यक्ति है। मनुस्मृति में इस दिन को उपाकर्म का दिन कहा गया है। यह श्रावणी का प्रारम्भ भी माना जाता है। इसे वेद रक्षक ऋषियों को समर्पित शुभ दिन के रूप में माना जाता है। गुरुकुलीय शिक्षा प्रद्धति में वैदिक वांड.मय का खास महत्व है। बरसात के चार महीने वेदों और वैदिक वाड.मय के स्वाध्याय के नजरिए से महत्वपूर्ण रहे हैं। चातुर्मास की परम्परा में चार महीने वैदिक ग्रंथों के स्वाध्याय के लिए बनाए गये। इसलिए चतुर्मास का प्रारम्भ भी इसी के दौरान हुआ करता था।

गुरु वह शब्द है जो ज्ञान, प्रेरणा और मार्गदर्शन का प्रतिबिम्ब है। वेद में ईश्वर को सबसे बड़ा और महतोमहान गुरु कहा गया है। जो मानव की अज्ञानता, दरिद्रता और दुख दूर करने वाला है। संसार में चारों तरफ अधियारा, अज्ञानता और दुख छाया हुआ है। इन्हें दूर करने के लिए गुरु या मार्गदर्शक की जरूरत पड़ती है। वेद और गृह सूत्रों में हर मानव के ऊपर तीन कर्जों का जिक्र किया गया है। हमारे जीवन में माता-पिता, विद्या या शिक्षा देने वाले गुरु और ऋषियों का ऋण रहता है। अथर्ववेद में इस बारे में बहुत उपयोगी ज्ञान दिया गया है। मंत्र में कहा गया है- अनृणा अस्मिन्नृणाः परस्मिन, तृतीये लोके अनृणाः स्याम। ये देवयानाः पितृयाणाश्च लोकाः सर्वान पथो अनृणा आक्षियेम।।(अ.6-117-3) यानी इंसान जन्म लेते ही तीन ऋणों (कर्जों) से ऋणी होता है। इन तीन कर्जों से छुटकारा पाना ही जिंदगी का सबसे बड़ा मकसद होना चाहिए। इंसान तीन लोकों को भोगने के लिए तीन शरीर मिले हैं। इसी से यह तीन तरह से कर्ज़दार है। जिस भी लोक में रहें उस लोक का कर्ज उतारने के लिए संकल्पबद्ध रहें। संसार में अनेक क्षेत्रों, विषयों, वस्तुओं, प्रकृति और प्रकृति में रहने वाले जीव-जन्तुओं से मानव कुछ न कुछ लेता रहता है। इसलिए सबी के प्रति कृतज्ञता का भाव हमेशा बनाए रखना चाहिए। भागवान कृष्ण गीता में कहते हैं-देव व्दिज गुरु प्राज्ञ पूजनं शौचमार्जवम। ब्रह्मचर्यमहिंसा च शारीरं तप उच्चते।। यानी देवता, विद्वान, गुरुजन, बुद्धिमान व्यक्तियों का पूजन करना, उन्हें सम्मान देना, जीवन को पवित्र रखना, जीवन में ऋजुता-सरलता रखना, ब्रह्मचर्य का पालन करना और अहिंसा का जीवन बिताना शारीरिक तप है। कहने का भाव यह है सभी तरह के गुरुजनों को सम्मान देना और उनके प्रति हमेशा कृतज्ञता का भाव बनाए रखना शारीरिक तप कहा जाता है। इसलिए गुरु पूर्णिमा तप करने का पर्व भी है।

यज्ञोपवीत तीन धागों से बनता है। इन तीन धागों में जन्म से लेकर मृत्यु तक जिन तीन गुरुओं का ऋण सबसे ज्यादा होता है वे हैं-माता-पिता, विद्या या शिक्षा देने वाले गुरु और परम्परा से ज्ञान दे रहे हमारे ऋषि-मुनि। जनेऊ के इन तीन धागों में इन तीन गुरुओं के प्रति कृतज्ञता का बोध होता है। गुरु पूर्णिमा के दिन इन तीनों के प्रति कृतज्ञता जताने की परम्परा रही है। गौर तलब है ये तीनों गुरु हैं। इसलिए इन तीनों गुरुओं के प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हुए इनके सम्मान में उत्सव का आयोजन करने की परम्परा रही है। गुरु धार्मिक, सांसारिक, आध्यात्मिक और वैचारिक हो सकते हैं। पौराणिक परम्परा में भगवान दत्तात्रेय ने चौबीस गुरु बनाए थे। ये थे-सूर्य, पृथ्वी, अग्नि, चन्द्रमा, आकाश, जल, वायु, कपोत, हाथी, पिंगला, समुद्र, मृग, कुवांरी कन्या, काक, बालक, भौंरा, मधुमक्खी, लोहार, अजगर, भृंगी कीड़ा, मछली, पतंगा, मकड़ी, सर्प। जौवीस गुरुओं का एक मतलब यह भी है कि समय के जौबीस घंटों में हर एक घंटा हम यदि किसी से कुछ सीखना चाहें तो जीवन हमारा सफल हो जाएगा।

गुरु पूर्णिमा आध्यात्मिक गुरु के साथ-साथ अकादमिक गुरुओं के सम्मान में मनाया जाने वाला पर्व या उत्सव है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने वाले इस पवित्र उत्सव में विद्या और ज्ञान के महत्व को प्रकट किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार महर्षि वेद व्यास को विष्णु ने चारों वेदों का ज्ञान दिया था। इसलिए संसार का प्रतम गुरु वेद व्यास को माना जाता है। सा माना जाता है कि पूर्णिमा के दिन गुरु की पूजा, सेवा और आशीर्वाद से व्यक्ति का जीवन सफल हो जाता है। लोक मान्यताओं के अनुसार इस दिन महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था, इसलिए इसे वेद व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। बौद्ध मतानुयायी भगवान बुद्ध की याद में गुरु पूर्णिमा को मनाते हैं। इस दिन बुद्ध ने पहली बार सार नाथ वाराणसी में उपदेश दिया था। पौराणिक कथा है कि भगवान शिव ने शप्तऋषिओं को इसी दिन उपदेश दिया था। इस तरह तमाम पौराणिक और ऐतिहासिक संदर्भ गुरु पूर्णिमा से ताल्लुक रखते हैं।

वेद में गुरु-शिष्य परम्परा की अहमियत दी गयी है। इसलिए गुरुओं के प्रति हर तरह का सम्मान, श्रद्धा और भक्ति भाव रखना चाहिए। गुरु ही बताता है कि जीवन की सफलता का रास्ता सबसे बेहतर कौन-सा है। किस रास्ते पर चल कर दुखों से छुटकारा पाया जा सकता है। कौन-सी विद्या या शिक्षा हासिल करके प्रजा, कीर्ति, लम्बी आयु, ऐश्वर्य, वैभव, शक्ति, लोक-परलोक का ज्ञान और ब्रह्म को प्राप्त किया जा सकता है। कहने का भाव यह है कि गुरुओं के प्रति कृतज्ञता, सम्मान, सदभावना और सेवा का भाव रखना गुरु पूजा है। वेद में कहा गया है, संसार में जो त्यागी लोग सांसारिक-भोग की कामना नहीं करते वे सांसारिक दुखों से परेशान नहीं होते हैं। और त्याग और वैराग्य के लिए जरूरी है अंतःकरण शुद्ध व पवित्र हो। इसलिए गुरु बनाते वक्त यह गौर करना चाहिए कि गुरु योग्यता वाला हो। वह वेद शास्त्र, विज्ञान और पवित्र मन, वाणी व कर्म को वरीयता देने वाला हो। ऐसे गुरुओं व्यक्तिओं को ही गुरु बनाना चाहिए। महर्षि दयानंद कहते हैं- जो वेद शास्त्रों को जानता हो, विद्या का अभ्यासी हो, सत्य, धर्म, सद्गुण और पवित्रात्मा हो। संत कबीर कहते हैं- गुरु बिन ज्ञान न उपजै, गुरु बिन मिले न मोष। गुरु बिन लखै न सत्य को, गुरु बिन मिटै न दोष।। कहने का भाव यह है कि जिसमें हर तरह की गुरुता यानी बड़प्पन और धैर्य धारण करने वाला हो और शिष्य के कल्याण को हो अपने जीपन का मकसद समझता हो, वह ही सच्चा गुरु हो सकता है। इसी तरह शिष्य को बी चाहिए कि वह सीखने, ग्रहण करने और हर अच्छी बात व ज्ञान को ग्रहण करने के लिए हमेशा तैयार रहे। दोनों में , दूसरे के प्रति सज्जनता का भाव हो। न गुरु कपटी हो न जो शिष्य ही कपटी हो। दोनों एक दूसरे पर यकीन करने वाले हों। शिष्य को चाहिए कि वह गुरु की हर कल्याणकारी आज्ञा को बिना टाल-मटोल के मान ले।

आधुनिक समय में गुरु-शिष्य की वैदिक परंपरा भले ही न दिखाई देती हो लेकिन अध्यापक और छात्र का रिश्ता तो ही है। इस रिश्ते की अपनी खास अहमियत है। दोनों के जो कर्तव्य हैं उन कर्तव्यों का पालन दोनों का करना चाहिए। समाज में आदर्श, शांति, प्रेम, सहिष्णुता और शुभत्व को भढ़ाने के लिए जरूरी है दोनों अपने धर्म का ईमानदारी से पालन करें। समाज में विश्वास, परोपकार और सुचिता का माहौल कायम करने के लिए भी जरूरी है गुरु-शिष्य के रिश्ते को पवित्र भाव से निभाया जाए। वैदिक परम्परा में गुरु की अहमियत सर्वोपरि है। लेकिन यह तभी असरदायक होगा जब गुरु के सच्चे ज्ञान को हर व्यक्ति अमल में लाए। इससे समाज, संस्कृति, साहित्य और विज्ञान का तो भला होगा ही, मानवता की कमजोर होती धारा को फिर से ताकत मिल सकेगी।

आधुनिक समय में गुरु-शिष्य की वैदिक परंपरा भले ही न दिखाई देती हो लेकिन अध्यापक और छात्र का रिश्ता तो ही है। इस रिश्ते की अपनी खास अहमियत है। दोनों के जो कर्तव्य हैं उन कर्तव्यों का पालन दोनों का करना चाहिए। समाज में आदर्श, शांति, प्रेम, सहिष्णुता और शुभत्व को भढ़ाने के लिए जरूरी है दोनों अपने धर्म का ईमानदारी से पालन करें। समाज में विश्वास, परोपकार और सुचिता का माहौल कायम करने के लिए भी जरूरी है गुरु-शिष्य के रिश्ते को पवित्र भाव से निभाया जाए। वैदिक परम्परा में गुरु की अहमियत सर्वोपरि है। लेकिन यह तभी असरदायक होगा जब गुरु के सच्चे ज्ञान को हर व्यक्ति अमल में लाए।

महत्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ब्रिटेन, रूस के और भीतरी इलाकों में हमले के लिए यूक्रेन की मदद करे : जेलेंस्की

लंदन/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ब्रिटेन की नई सरकार से आग्रह किया कि वह यूक्रेन की सेना को रूस के और भीतरी इलाकों पर हमला करने में मदद करे ताकि उनके देश पर रूस के घातक मिसाइल हमलों को रोका जा सके। उन्होंने एक दुलर्भ घटनाक्रम में ब्रिटेन की कैबिनेट (मंत्रिमंडल) बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

जेलेंस्की ने कहा कि जहां रूसी हथियार रखे गये हैं उन केंद्रों को नष्ट करने के लिए लंबी दूरी की मारक क्षमता हासिल करना यूक्रेनी रक्षा पंक्ति के लिए अहम है। जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर से कहा, ''पश्चिमी हथियारों के इस्तेमाल को लेकर यूक्रेन पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के लिए मैं आपसे नेतृत्व करने के लिए कहता हूं।'' रूस ने विनाशकारी अग्नेयास्त्र तैनात किये हैं क्योंकि वह गर्मी से ही पूर्वी यूक्रेन में हमला जारी रखे हुए है। रूस के हमले से जहां गांव के गांव मलबे में तब्दील हो गए हैं, वहीं यूक्रेन की सेना को कई स्थानों से पीछे हटना पड़ा है। रूस की ओर से यूक्रेन पर किये गये मिसाइल और ड्रोन हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इन हमलों में कीव स्थित बच्चों के अस्पताल समेत अन्य संरचानाओं को निशाना बनाया गया है।

कीव के कुछ सहयोगी यूक्रेन को रूसी क्षेत्र पर हमला करने के लिए अपने हथियारों का उपयोग करने देने के प्रति अनिच्छुक हैं क्योंकि उन्हें चिंता है कि इससे पश्चिमी देशों का रूस से सीधा टकराव हो सकता है।

ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि जब तक कि अंतरराष्ट्रीय कानून कायम है तब तक यह यूक्रेन पर निर्भर है कि वह ब्रिटेन द्वारा आपूर्ति की गई मिसाइलों का उपयोग कैसे करे।

'बीबीसी' के साथ एक साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा कि वह रूस में स्थित ठिकानों के खिलाफ ब्रिटेन से प्राप्त स्टॉर्म शैडो मिसाइलों का उपयोग करने की यूक्रेन की क्षमता के बारे में स्पष्टीकरण मांग रहे थे। स्टॉर्म शैडो 250 किलोमीटर से अधिक की रेंज वाली हवा से लॉन्च की जाने वाली क्रूज मिसाइल है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हेली ने कहा कि यूक्रेन को पहले से ही रूस के खिलाफ मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति है, लेकिन वास्तव में किस ठिकाने को निशाना बनाया जा सकता है और किन परिस्थितियों में निशाना बनाया जा सकता है, इसके नियम 'जटिल सवाल' हैं जो गहन बातचीत का विषय है।

जेलेंस्की 10 डाउनिंग स्ट्रीट में स्थित कैबिनेट कक्ष में घुसे तो ब्रिटेन के मंत्रियों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया।

खेलो इंडिया

नई दिल्ली में शुक्रवार को केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया खेलो इंडिया राइजिंग आइडेंटिफिकेशन (कीर्ति) कार्यक्रम के चरण 2 के उद्घाटन पर।

भारत के साथ 'घनिष्ठ' संबंध निरंतर मजबूत होने चाहिए : तोबगे

थिम्पू/भाषा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शुक्रवार को भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मुलाकात की, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ''आपसी विश्वास और लाभ पर आधारित घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंध निरंतर मजबूत होने चाहिए।''

मिसरी अपने समकक्ष पेमा चोडेन के साथ भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता की सह-अध्यक्षता करने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर शुक्रवार को यहां पहुंचे।

कार्यभार संभालने के एक सप्ताह से भी कम समय में यह उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा है।

विदेश सचिव मिसरी ने प्रधानमंत्री तोबगे से मुलाकात की। इस दौरान तोबगे ने मिसरी को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी।

तोबगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह जानकर खुश हूं कि विक्रम मिसरी ने भारत के विदेश सचिव के रूप में अपनी नियुक्ति के मात्र चार दिन बाद ही अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भूटान का दौरा करने का फैसला किया है। मैं उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई देता हूं। हमारी वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित रहेगा।''

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने यूक्रेनी समकक्ष के साथ फोन पर की वार्ता

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को फोन पर यूक्रेन के अपने समकक्ष दमित्रो कुलेबा के साथ वार्ता की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को यात्रा के करीब दस दिन बाद दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता हुई है।

जयशंकर ने कहा कि बातचीत द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने पर केंद्रित थी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''आज दोपहर में यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा के साथ एक अच्छी बातचीत हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने के बारे में चर्चा हुई।'' दोनों विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर बातचीत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की ओर से मोदी की मॉस्को यात्रा की आलोचना की पृष्ठभूमि में हुई। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने नौ जुलाई को मोदी की मॉस्को यात्रा को 'बड़ी' निराशा और शांति प्रयासों के लिए 'विनाशकारी झटका' करार दिया था।

'एक्स' पर एक पोस्ट में जेलेंस्की ने विशेष रूप से यूक्रेन पर रूस के मिसाइल हमलों का उल्लेख किया जिसमें कीव में बच्चों के अस्पताल पर किए गए हमले का भी जिक्र था। जेलेंस्की ने कहा था, ''एक रूसी मिसाइल ने यूक्रेन के सबसे बड़े, बच्चों के अस्पताल पर हमला किया, जिसमें युवा कैंसर रोगियों को निशाना बनाया गया। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस की अपनी पहली यात्रा में मोदी ने आठ और नौ जुलाई को मॉस्को का दौरा किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी शिखर वार्ता में मोदी ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान पर संभव नहीं है और बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होती।

बांग्लादेश में सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे

ढाका/एपी। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जारी प्रदर्शनों के बीच शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे, साथ ही राजधानी ढाका में लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया।

हिंसक प्रदर्शनों के बीच इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। राजधानी ढाका और कुछ स्थानों पर प्रदर्शन कुछ सप्ताह पहले शुरू हुए थे लेकिन सोमवार से इनमें तेजी आ गई। ये विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए अहम चुनौती हैं। उन्होंने जनवरी में हुए चुनाव में लगातार चौथी बार जीत हासिल की थी।

प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की आज की घटना के एक दिन पहले भी काफी हिंसा हुई थी जिसमें स्थानीय मीडिया के अनुसार 22 लोगों की मौत हो गई थी। 'समय टीवी' ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि शुक्रवार को चार और लोग मारे गए। इन आंकड़ों की तुरंत पुष्टि करने के लिए अधिकारियों से संपर्क नहीं किया जा सका। 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक रिपोर्टर ने देखा कि सीमा रक्षक अधिकारियों ने 1000 से अधिक प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर गोलियां चलाईं। ये प्रदर्शनकारी सरकारी 'बांग्लादेश टेलीविजन' के मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए थे। इस मुख्यालय पर एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने हमला किया था और आग लगा दी थी।

सीमा रक्षकों ने भीड़ पर गोलियां चलाईं, जबकि पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और रबर की गोलियां चलाईं। गोलियां सड़कों पर बिखरी हुई थीं जहां खून के धब्बे भी थे। 'बांग्लादेश टेलीविजन' के एक पत्रकार ने बृहस्पतिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मुख्य द्वार तोड़ दिया और वाहनों और स्वागत कक्ष क्षेत्र में आग लगा दी। उन्होंने फोन पर कहा, '' मैं दीवार फांदकर भाग गया लेकिन मेरे कुछ साथी अंदर फंस गए। हमलावर इमारत में घुसे और उन्होंने फर्नीचर में आग लगा दी।''

शुक्रवार सुबह राजधानी ढाका में इंटरनेट सेवाओं के साथ ही मोबाइल डेटा को बंद कर दिया गया तथा फेसबुक और व्हाटसऐप जैसे सोशल मीडिया मंच काम नहीं कर रहे थे। देश के दूरसंचार नियामक आयोग के एक बयान में कहा गया है कि अपने डेटा सेंटर पर बृहस्पतिवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा हमला किए जाने के बाद से वे सेवाएं देने में असमर्थ हैं। प्रदर्शनकारियों ने उपकरणों को आग लगा दी थी। 'एसोसिएटेड प्रेस' स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं कर पाया है।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि वे शुक्रवार को भी प्रदर्शन जारी रखेंगे तथा उन्होंने देश भर की मस्जिदों से आग्रह किया कि मारे गए लोगों के लिए वहां जनाजे की नमाज अदा की जाए। ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्र 1971 में पाकिस्तान से देश की आजादी के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ कई दिनों से रैलियां कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह प्रणाली भेदभावपूर्ण है और प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों को लाभ पहुंचा रही है, जिनकी अवामी लीग पार्टी ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व किया था। छात्र चाहते हैं कि इसे योग्यता आधारित प्रणाली में तब्दील किया जाए। वहीं हसीना ने आरक्षण प्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि युद्ध में योगदान देने वालों को सम्मान मिलना चाहिए चाहे उनकी राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो। मुख्य विपक्षी दल 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (बीएनपी) ने प्रदर्शनकारी छात्रों का समर्थन किया है और उसके कई समर्थक छात्रों के प्रदर्शनों में शामिल भी हुए हैं। शुक्रवार को पुलिस ने बीएनपी समर्थकों पर आंसू गैस के गोले दागे और वरिष्ठ बीएनपी नेता रूहुल कबीर रिजवी को गिरफ्तार कर लिया।

फिल्म 'देवा' से शाहिद कपूर का लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की आने वाली फिल्म देवा से उनका लुक रिलीज हो गया है शाहिद कपूर इन दिनों फिल्म देवा को लेकर चर्चा में हैं।फिल्म की रिलीज डेट को रीशेड्यूल किया गया है। पहले यह फिल्म 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसे अगले साल तक के लिए टाल दिया गया है। इस फिल्म को जी स्टूयोज और रॉय कपूर फिल्मस प्रोड्यूस कर रहे हैं जबकि रोशन एंड्रूज इसका निर्देशन कर रहे हैं। अब यह फिल्म 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी। फिल्म देवा का पोस्टर शेयर शेयर करते हुए शाहिद ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'वॉयलेंट वैलेंटाइन डे, देवा के लिए तैयार हो जाइए।' फिल्म 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी। पोस्टर में शाहिद कपूर बहुत ही टफ लुक में नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथों में गन ली हुई है। शाहिद फिल्म देवा में एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनके अपोजिट पूजा हेगड़े नजर आएंगी जोकि एक जर्नलिस्ट का किरदार निभाएंगी।

वेब सीरिज 'पैक अप' चौपाल ओटीटी पर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के जानेमाने अभिनेता गुंजन सिंह और अभिनेत्री अर्शिया अर्शी की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'पैक अप' चौपाल ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज हो गयी है। यशी फिल्म्स-अभय सिन्हा प्रस्तुत और पॉल कॉमर्स निर्मित 'पैक अप' एक रोमांचक और मनोरंजक वेब सीरीज है जिसमें गुंजन सिंह और अर्शिया अर्शी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। साथ ही इसमें तीसरा एंगल एक विदेशी अभिनेत्री का भी जुड़ता है, जिसका नाम क्रिस्टीना है। क्रिस्टीना ब्रिटिश अभिनेत्री हैं और पहली बार किसी भी भोजपुरी प्रोजेक्ट में विदेशी कलाकार को मुख्य भूमिका में जगह मिली है।

निर्देशक प्रेमांशु सिंह ने कहा,वेब सीरिज 'पैक अप' दर्शकों को बेहद पसंद भी आने वाली है, क्योंकि इसका कॉन्सेप्ट अलग और नया है। पैकअप की कहानी भोजपुरी के साथ ग्लोबल दर्शकों को भी अपनी ओर आकर्षित करने वाली है। लंदन में शूट होने के बावजूद भी इस सीरहज की आत्मा में भोजपुरी है। सीरीज की कहानी और इसके दमदार अभिनय ने पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। इस वेब सीरीज में थ्रिल, ड्रामा और इमोशन का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा।

वहीं, गुंजन सिंह ने कहा, 'पैक अप' में काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। इसमें दर्शकों के लिए बहुत कुछ नया और रोमांचक है। मुझे उम्मीद है कि इसे देखकर दर्शकों को उतना ही मजा आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया। अर्शिया अर्शी ने कहा, 'पैक अप' की कहानी और किरदार बहुत ही आकर्षक हैं।

इस वेब सीरीज के जरिए हमने कुछ नया करने की कोशिश की है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। 'पैक अप' में गुंजन सिंह और अर्शिया अर्शी के अलावा अयाज खान, आदित्या ओझा, अंशुमान सिंह, सूर्या त्रिवेदी, हर्षिता कश्यप, निकिता जायसवाल, करिश्मा सैनी, कोमल सोनी भी प्रमुख भूमिका में हैं।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में शुक्रवार को कश्मीरी पंडित परिवारों ने जंतर मंतर पर राहत और पुनर्वास की मांग को लेकर जम्मू-कश्मीर आंतरिक रूप से विस्थापित कल्याण सोसायटी के बैनर तले विरोध प्रदर्शन किया।

फिल्म 'अमरन' दीवाली पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

उलगनयागन कमल हसन, आर. महेंद्रन और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित फिल्म अमरन इस वर्ष दीवाली के अवसर पर 31 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म अमरन शिव अरूर और राहुल सिंह द्वारा लिखित पुस्तक इंडियाज मोस्ट फियरलेस के अध्याय मेजर वरदराजन पर आधारित है।अमरन, इस दिवाली, 31 अक्टूबर 2024 को स्क्रीन पर आएगी। तमिलनाडु नाट्य वितरण रेड जायंट मूवीज द्वारा किया जाएगा।राजकुमार पेरियासामी द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म कश्मीर के लुभावने परिदृश्यों पर आधारित एक एक्शन इमोशनल ड्रामा है। अमरन में प्रिंस शिवकार्तिकेयन ने एक अभूतपूर्व अवतार में दमदार अभिनय किया है। स्क्रीन पर साई पल्लवी ने भी कमाल की भूमिका निभाई है, जो फिल्म में भावनात्मक गहराई जोड़ दी है।शीर्ष पायदान की तकनीकी टीम में संगीत निर्देशक जी वी प्रकाश, प्रोडक्शन डिजाइनर राजीवन, सिनेमैटोग्राफर सीएच साई, संपादक आर कलैवानन और स्टीफन रिक्टर के साथ एक्शन डायरेक्टर अनबरीव मास्टर्स शामिल हैं।नेटफ्लिक्स ने अमरन के लिए डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं।

भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले पर आधारित होगी एलिप्सिस एंटरटेनमेंट की अगली फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

एलिप्सिस एंटरटेनमेंट की अगली फिल्म भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले पर आधारित होगी। दो और दो प्यार और शर्माजी की बेटी के बाद एलिप्सिस एंटरटेनमेंट, वर्ष 1971 के बैंक घोटाले पर आधारित एक अनटाइटल फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसमें कथित डबल एजेंट रुस्तम नागरवाला ने दिल्ली में भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा से बड़ी रकम के लिए धोखाधड़ी की थी।यह फिल्म भारत के बैंकिंग इतिहास के सबसे सनसनीखेज घोटालों को बहुत ही गहराई से दर्शाएगी ,जिसकी जांच दिल्ली पुलिस की एक टीम ने की थी, जिसका नेतृत्व तत्कालीन चाणक्य पुरी के एसएचओ हरि देव कौशल ने किया था। हरि देव उन पुलिस कर्मियों के समूह से थे जो न केवल अपने काम में असाधारण थे बल्कि परोपकारी भी थे। न्हें प्यार से पंडितजी कहकर बुलाया जाता था, लेकिन वह पुलिस इतिहास में एक ऐसे दमदार अफसर के रूप में जाने जाते हैं जिन्होंने इस परंपरा को तोड़ दी थीं। हरि देव कौशल संयोग से स्क्रीन एक्टर्स राहुल देव और मुकुल देव के पिता हैं। यह और भी दिलचस्प बात है कि मुकुल खुद हंसल मेहता की 'ओमेर्टा' के राइटर हैं। उन्होंने सुप्रतिम सेनगुप्ता और कुणाल अनेजा के साथ मिलकर राइटिंग टीम में शामिल होकर केस पर तगड़ी रिसर्च प्राइमरी और सेकेन्ड्री सोर्सेज के जरिए की।एलिप्सिस हरि देव कौशल के रोल के लिए कास्टिंग कर रहा है, और इसके बाद एक कलाकारों की एक टीम है जो केस से जुड़े कई कैरेक्टर्स को गहराई और प्रामाणिकता के साथ पेश करेगी।

एलिप्सिस के पार्टनर तनुज गर्ग ने कहा, जासूसी शैली का एक बहुत बड़ा फैन होने के नाते, मुझे ये केस पढ़ने में बहुत दिलचस्प लगा, जो आज तक रहस्य में घिरा हुआ है। जांच से जुड़े कई लोग, जिनमें मुख्य संदिग्ध भी शामिल है, घटना के कुछ महीनों के भीतर ही मर गए। हम अपने कलाकारों को चुनने और जल्द ही शूटिंग शुरू करने का इंतजार नहीं कर सकते। अतुल कस्बेकर ने कहा, 1990 में मेरा पहला फोटोग्राफिक असाइनमेंट राहुल और मुकुल देव के साथ था, जो मेरे दोस्त भी हैं। मुझे उनके पिता हरि देव जी से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करने का सौभाग्य मिला। यह काव्यात्मक है कि वे इस सम्मोहक कहानी के हीरो हैं।

'डिजाइनरों से कपड़े उधार लेना ज्यादा बेहतर लगता है' : सोनम कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फैशनिस्टा एक्ट्रेस सोनम कपूर हमेशा से ही लेटेस्ट फैशन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अब उनका एक नया फैशन स्टेटमेंट सामने आया है। उन्होंने कहा कि जब वह छोटी थीं तो बहुत सारे कपड़े खरीदती थीं। मगर उन्हें डिजाइनरों से कपड़े उधार लेना ज्यादा बेहतर लगता है। उन्होंने कहा कि यह भारत में आम नहीं है, लेकिन विदेशों में आम बात है। फैशन और कपड़ों के प्रति अपने प्यार के बारे में सोनम ने कहा, मैं बस अपने जाने-पहचाने डिजाइनरों के बनाये पसंदीदा कपड़े ही पहनना चाहती थी। यह सिर्फ मेरी मां से मिली शिक्षा और फैशन के प्रति मेरे जुनून से प्रभावित था।'' दिग्गज स्टार अनिल कपूर की बेटी और 39 वर्षीय एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वह डिजाइनरों को स्टार मानती हैं। सोनम ने कहा, ''मैं अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही तरह के फैशन डिजाइनरों को स्टार मानती थी क्योंकि मैं अपनी मां के कारण उन्हें पसंद करती हुई बड़ी हुई हूं। यह किसी छवि को पेश करने की बात नहीं थी, यह फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार था।''

उन्होंने आगे कहा, मुझे एहसास हुआ कि लोग अक्सर कपड़े उधार नहीं लेते, इसलिए मैंने उन्हें उधार लेना शुरू कर दिया। हर समय सब कुछ खरीदना समझदारी नहीं थी। मैंने बहुत कुछ खरीदा, लेकिन उधार लेना ज्यादा व्यावहारिक लगा। सोनम ने कहा, यह प्रथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आम थी, लेकिन भारत में नहीं। इसलिए, मैंने बस वही किया जो उस समय सही लगा। मैं 20 साल की लड़की थी, बिना किसी इरादे के बस फैशन के प्रति अपने जुनून पर काम करती थी। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला है, चाहे वह कला, सिनेमा या फैशन के माध्यम से ही क्यों न हो।

उन्होंने कहा, दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करना कुछ ऐसा है जिस पर मुझे बहुत गर्व है। मैं विदेश में जिन दक्षिण एशियाई लोगों से मिली, वे भी अपनी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करना पसंद करते हैं और जब लोग इसे पहचानते और समझते हैं तो वे इसकी सराहना करते हैं। सोनम ने बताया कि वह हर मंच के माध्यम से भारतीय संस्कृति की सुंदरता और समृद्धि को प्रदर्शित करने का कोई अवसर नहीं छोड़तीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 20-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अहोभाव अंदर से पूरी तरह से सकारात्मकता, प्रसन्नता, आल्हाद, प्रमोद से भर देता है। यह प्रमोद गुणीजनों के प्रति होता है। यह सबसे पहले हमारे शरीर में प्रतिकार क्षमता बढ़ाता है। इम्यूनिटी को मानसिक, शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है| यदि हमारे मन में हताशा, निराशा है तो प्रमोद भाव आने से वह दूर हो जाती है। प्रसन्नता भीतर प्रवेश कर लेती है। यह मानसिक रूप से दृढ़ता बढ़ाता है। तीर्थंकर भगवान के प्रति अहोभाव आने से अनादिकाल से अंदर रही हुई विषमताएं दूर हो जाती है| इससे सम्यक दर्शन की शुद्धि होती है।

एजी स्कूल के छात्र प्रतिनिधियों का अलंकरण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय ए जी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल में आज छात्र प्रतिनिधियों का अलंकरण समारोह में नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को उनकी जिम्मेदारियों का अधिकार सौंपा गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि असिस्टेन्ट कमिश्नर ऑफ पुलिस फ्लावर बाजार द्वारा दीप प्रज्वलित कर और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर फ्लावर बाजार पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर पुष्पराज, एवं एच सरवनन इंस्पेक्टर एलीफैंट गेट पुलिस भी उपस्थित थे।

समारोह में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ जयश्री ने मुख्य अतिथि दक्षिणामूर्ति का स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा, यह समारोह हमारे छात्रों के नेतृत्व और जिम्मेदारी के गुणों को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र अपनी क्षमता और योग्यता के आधार पर चयनित हुए हैं। मुख्य अतिथि दक्षिणामूर्ति ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद को शपथ दिलाई। इस परिषद में मुख्य छात्र प्रतिनिधि, खेल कप्तान और विभिन्न हाउस कैप्टन शामिल थे। शपथ ग्रहण के बाद, छात्रों ने अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाने का संकल्प लिया।

समारोह के दौरान छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य,और गीत इत्यादि मुख्य थे। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह जी ढढा ने अपने अभिभाषण में कहा, नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों से हमें आशा है कि वे विद्यालय की परंपराओं को आगे बढ़ाएं एवं इसकी गरिमा को क्षितिज पर पहुचाएं। समारोह में मुख्य अतिथि ने सभी नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी नेतृत्व क्षमताओं को निखारें और विद्यालय का गौरव बढ़ाएं।

तीर्थंकरों का स्मरण करने से हृदय प्रसन्नता से भर जाता है : महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने शुक्रवार को प्रवचन में कहा कि सम्यक्त्व और पराक्रम अध्ययन में प्रभु से पृच्छना की गई कि हे भंते, चौबीसी से जीवन को क्या उपलब्धि हासिल होती है। चौबीसी यानी लोगस्स। उन्होंने कहा कि यह लोगस्स साधु-साध्वी का नियमित दूसरा आवश्यक सूत्र है। इस सूत्र में कित्तीय यानी चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति करुंगा, उसकी प्रस्तावना है। वंदिय यानी वंदन, अहोभाव प्रकट करना।

उन्होंने कहा, अहोभाव अंदर से पूरी तरह से सकारात्मकता, प्रसन्नता, आल्हाद, प्रमोद से भर देता है। यह प्रमोद गुणीजनों के प्रति होता है। यह सबसे पहले हमारे शरीर में प्रतिकार क्षमता बढ़ाता है। इम्यूनिटी को मानसिक, शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है| यदि हमारे मन में हताशा, निराशा है तो प्रमोद भाव आने से वह दूर हो जाती है| प्रसन्नता भीतर प्रवेश कर लेती है। यह मानसिक रूप से दृढ़ता बढ़ाता है। तीर्थंकर भगवान के प्रति अहोभाव आने से अनादिकाल से अंदर रही हुई विषमताएं दूर हो जाती है| इससे सम्यक दर्शन की शुद्धि होती है। संचालक कमल छल्लाणी ने बताया कि 21 जुलाई को आत्मध्यान शिविर का आयोजन होगा। गुरुदेव ध्यान साधना की पद्धति सिखाएंगे।

राजस्थानी ओलिम्पयाड के तहत बाक्स क्रिकेट 21 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा राजस्थान रत्न के सुभाषचंद रांका प्रस्तुति राजस्थानी ओलिम्पयाड तथा पावर्ड बाय राजस्थान रत्न मोहन गोयंका फाउंडेशन के अंतर्गत बाक्स क्रिकेट 21 जुलाई को एसपीआर टर्फ ग्राउंड में होगा। तैयारियों के लिए एसपीआर में सभी कप्तानो के साथ बैठक हुई। ज्ञानचंद कोठारी द्वारा प्रार्थना के पश्चात मीटिंग की शुरुआत की गई। सह चेयरमैन अनुराग महेश्वरी ने सभी का स्वागत किया। बाक्स क्रिकेट के को आर्डिनेटर अरुण डागा व अभिषेक सुदा ने क्रिकेट के नियमों की जानकारी दी। नीर्मल नाहटा ने सभा का संचालन किया। कन्वेनर अजय नाहर ने बताया कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के कमीशनर त. नन्दकुमार उद्घाटन करेंगे। मेडिसेल्स कंपनी बाक्स क्रिकेट के स्पान्सर है। ओलंपियाड चेयरमैन अशोक मुंदड़ा ने बताया कि बाक्स क्रिकेट का फाइनल 28 जुलाई को एसपीआर ग्राउंड में होगा।

इस ओलिंपियाड में 32 टीमें भाग लेंगी। सभी टीमों के कप्तान मीटिंग में शामिल हुए। और ड्रा द्वारा सभी टीमों के क्रम का चयन किया गया। इस अवसर पर कोचेयरमैन मदन राठी, किशन झवर, शैलेश सींघवी, नवनीत दमानी, चंद्रकुमार टावरी आदि उपस्थित रहे। अंत में कोचेयरमैन अनुराग माहेश्वरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

तेयुप राजाजीनगर की वार्षिक बैठक में हुआ योजनाओं पर चिंतन-मनन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर नवमनोनीत अध्यक्ष कमलेश चोरडिया की अध्यक्षता में प्रथम कार्यसमिति बैठक राजाजीनगर भवन में आयोजित हुई। तेयुप संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। उपाध्यक्ष संजय मांडोत ने गत कार्यकारिणी बैठक का वाचन किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरडिया ने सभी का स्वागत करते हुए एक और आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर खोलने का लक्ष्य रखा। मंत्री जयंतीलाल गाँधी द्वारा अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयामों के प्रभारी एवं सह-प्रभारी की नियुक्ति की गई। सुनील बाफना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा तेयुप राजाजीनगर सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है और युवाओं को आगे आकर संघ के आयामों में अपनी ज्यादा से ज्यादा सहभागिता प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष कमलेश गन्ना, प्रबुद्ध विचारक सतीश पोरवाड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। राजेश देरासरिया ने एटीडीसी में होने वाले शिविरों की जानकारी दी। मंच संचालन जयंतीलाल गाँधी ने किया। चेतन मांडोत् ने धन्यवाद दिया।

कोयम्बटूर शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में संतों का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरएसपुरम् स्थित शंखेश्वरम् पार्श्वनाथ मंदिर में शुक्रवार को गच्छाधिपति उदयप्रभसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य पंन्यासश्री अर्पणप्रभ विजय म. सा. एवं साध्वीश्री वीरतीप्रभश्रीजी आदि का चातुर्मास प्रवेश हुआ। सुबह फूल मार्केट के मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर परिसर से शोभायात्रा शुरु हुई जो बैंड बाजे के साथ शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पहुंची। यहां धर्मसभा में उपाध्याय श्री अभ्युदय प्रभ विजयजी एवं अन्य संत एवं साध्वियों ने सकल संघ को आशीर्वाद प्रदान किया।

संतों ने चातुर्मास के महत्व को समझाते हुए आगामी चार माह इसका लाभ लेने की बात कही। गुरु के सान्निध्य में विभिन्न तप और अनुष्ठानों में शामिल होकर जीवन धन्य करने की बात कही। सभी का स्वागत संघ अध्यक्ष भानु भाई जैन ने किया।

संतो को कांबली के ओढ़ाने के लाभार्थी रहे जयंतीलाल गंभीरमल बाफना परिवार रहे। परिवार के चंपालाल बाफना और जयंतीलाल बाफना का संघ द्वारा सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में किशोर जैन और सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर के अध्यक्ष गुलाबचंद मेहता ने अपने विचार रखे।

स्वास्थ्य शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गर्वन्मेन्ट आयुर्वेदिक यूनानी कॉलेज ग्रेजुएट एसोसिएशन श्रीरामपुरम स्थित के हिमालय सभागार में एफपीए इंडिया, मणिपाल हॉस्पिटल, लायंस क्लब, केएलइ डेंटल कॉलेज, वैष्णवी साईं आ:ई हॉस्पिटल के सहयोग से 25 से ज्यादा डाक्टरों की टीम द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सैंकड़ों मरीज लाभान्वित हुए। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रुप में राजाजीनगर के विधायक सुरेशकुमार, समाजसेवी महेंद्र मुणोत आदि उपस्थित थे।

मुनिश्री निपुणरत्नविजय के चातुर्मास प्रवेश में जापान से शामिल हुए 63 गुरुभक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद। स्थानीय सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी के शिष्य एवं गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी व जयरत्नसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री निपुणरत्नविजयजी म.सा ने अहमदाबाद पालड़ी में अविस्मरणीय चातुर्मास प्रवेश किया। अहमदाबाद संघ व थरादतीर्थ की ओर से भव्य शोभायात्रा का आयोजन हुआ। विशाल शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए चातुर्मास स्थल पहुंची। शोभायात्रा में जापान से आए 63 गुरु भक्त सहित गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र व विभिन्न राज्यों के गुरु भक्त एवं स्थानीय श्रीसंघ के सदस्य उपस्थित थे। स्थानिक विधायक कौशीकभाई शाह ने संतों का स्वागत किया। प्रथम सामैया के लाभार्थी देसाई रमेशभाई कीर्तिाल परिवार ने लिया। शोभायात्रा में पाठशाला के 1000 से अधिक बालक बालिकाओं ने जैन धर्म की जयकारे से शोभायात्रा को गुंजायमान किया। मुनिश्री निपुणरत्नविजयजी म.सा. के मंगलाचरण से धर्म सभा प्रारंभ हुई उसके बाद श्री सौधर्म बृहतपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वाघजीभाई वोरा सहित अनेक लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के अनेक राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारों ने चातुर्मास प्रवेश की शुभकामनाएं दी। गुरु पूजन का लाभ मिश्रीमल नथमल कटारिया संघवी परिवार ने लिया। संघ के ट्रस्टी शशिभाई शाह ने सभी पधारे हुए श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया।

शक्ति के साथ शांति का स्वरुप थे आचार्य भिक्षु : साध्वी उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में साध्वीश्री उदितयशजी के सान्निध्य में आचार्य भिक्षु के 299 वें जन्म दिवस का कार्यक्रम जप के साथ प्रारंभ हुआ। धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वीश्री उदितयशाजी ने सच्चे भिक्षु भक्त बनने की प्रेरणा देते कहा कि आज का दिन ज्योति के अवतरण का दिन है । एक नव क्रांति का जन्म दिन हैं, शक्ति के साथ शांति का जन्म दिन है। आचार्य भिक्षु ने आंधी और तूफान की कभी परवाह नहीं की। मात्र आत्मा के लिए साधना करते रहे। साध्वीश्री भव्ययशाजी व शिक्षाप्रभाजी ने ' जन्म जयंती मनावा हा प्रभु री' गीत का मधुर संगान किया। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने अपने संयोजकीय वक्तव्य में कहा कि आचार्य भिक्षु का जन्म उस समय हुआ जब समाज में धर्म के नाम पर पाखंड का बोलबाला था, जब समाज में रुढ़िवादिता अपने पंजे फैला रही थी । जब आचार हीनता से मानव जीवन जर्जरित हो रहा था, उस परिस्थिति में समय की मांग को प्रकृति ने स्वीकारा और स्वामी भीखण का जन्म हो गया । इस अवसर पर सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, अणुव्रत समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी के साथ ललित मांडोत, प्रकाश कटारिया, सुभाष पोखरणा आदि उपस्थित थे। सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने रविवार को सभा प्रांगण में तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में होने वाले आयोजन की जानकारी दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.